मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्ष: 9 अंक 78
रविवार, 27 सितम्बर 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

सीईसी ज्ञानेश कुमार ने दोनों चुनाव आयुक्तों के साथ बैठकर मतभेद की अटकलों को दिया विराम, लिए 7 बड़े फैसले

नई दिल्ली, 26 सितम्बर। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के साथ चुनाव आयुक्त एसएस संधू और विनीत जोशी ने पूर्ण चुनाव आयोग की बैठक कर तीनों के बीच एसआईआर की प्रक्रिया को लेकर मतभेद की अटकलों को विराम दे दिया है। तीन दिन से चल रहे राजनीतिक घमासान के बीच शनिवार को तीनों चुनाव आयुक्त तीन बजे आयोग में एक साथ बैठे और एसआईआर की प्रक्रिया को लेकर चल गलतफहमियों को दूर करने के साथ ही आम लोगों की दिक्कतों को दूर करने के लिए भी अहम फैसले लिए।

तीनों चुनाव आयुक्तों की सहमति से जारी प्रेस विज्ञप्ति में एसआईआर को लेकर लिए गए फैसलों, नए मतदाताओं के लिए फॉर्म-छह में संशोधन और दो चुनाव आयुक्तों द्वारा कैबिनेट सचिव को लिखे गए पत्र के बारे में फैलाए जा रहे भ्रम को दूर किया गया। विवाद खड़ा होने के बाद पहली बार हुई पूर्ण चुनाव आयोग की बैठक में कुल नौ फैसले लिए गए, जिनमें पांच सीधे तौर पर मौजूदा चल रही एसआईआर की प्रक्रिया में मतदाताओं को हो रही परेशानियों को दूर करने से संबंधित हैं। चार फैसले चुनाव आयोग के अंदरूनी कामकाज और उनमें ज्यादा पारदर्शिता लाने से संबंधित हैं। इनके अलावा तीन बिंदुओं पर फैलाए गए भ्रम को दूर करने से संबंधित हैं। तीनों चुनाव आयुक्तों ने साफ किया कि 24 जून 2025 को बिहार में एसआईआर कराने से लेकर बाद में पश्चिम बंगाल समेत अन्य 30 राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों में एसआईआर

कराने का फैसला सर्वसम्मति ले लिया गया था। बाद में 25 मई 2027 को सुप्रीम कोर्ट ने इन फैसलों पर मुहर लगाई थी। तीनों चुनाव आयुक्तों के अनुसार एसआईआर के बाद मतदाताओं की अंतिम संख्या 12 राज्यों मे चालू प्रक्रिया को पूरी होने के बाद जारी की जाएगी। तीनों चुनाव आयुक्तों के अनुसार कैबिनेट सचिव को दो चुनाव आयुक्तों द्वारा लिखा गया पत्र आयोग के आईटी डिविजिन या नीतिगत मामलों से जुड़ा नहीं था, जैसा की फैलाया जा रहा है। बल्कि प्रतिनियुक्ति पर तैनात एक अधिकारी से संबंधित था। दो चुनाव आयुक्तों की आपत्ति के बाद उक्त अधिकारी के फैसले को लागू नहीं किया गया और साथ ही आईटी डिविजन पर जिला निर्वाचन अधिकारी के अधिकार को कभी वापस नहीं लिया गया।

तीनों चुनाव आयुक्तों ने गोवा के 97 मतदाताओं के फॉर्म-छह के सूची में अपलोड होने पर भी चर्चा की और बताया कि गोवा के सीटीओ को इस संबंध में निर्देश दिया जा चुका है, जिसमें मतदाताओं के घर-घर जाकर फॉर्म लेने और सूची में शामिल करना शामिल है। इनमें से 81 मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में शामिल किये जा चुके हैं।

नए वोटरों के लिए फॉर्म छह के साथ घोषणापत्र देने के कारण बड़ी संख्या में युवा मतदाताओं को मतदाता सूची में शामिल नहीं होने की आशंका को भी तीनों चुनाव आयुक्तों ने खारिज कर दिया। उनके अनुसार यह व्यवस्था अस्थायी है, जो सिर्फ एसआईआर के लिए की गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने इसे सही ठहराया था।

ममता की रैली में शामिल होने जा रहे कुणाल घोष की कार पर हमला, फेंके गए अंडे

कोलकता, 26 सितम्बर। तृणमूल कांग्रेस के ममता बनर्जी गुट के विधायक कुणाल घोष की कार पर अंडे फेंके गए। वे पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री की रैली में शामिल होने के लिए हुगली ज़िले के सेरामपुर जा रहे थे। सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें उनकी कार को भीड़ ने घेर रखा है और लोग अंडे फेंक रहे हैं और कुणाल घोष वापस जाओ जैसे नारे लगा रहे हैं। हमले में कार का पिछला शीशा भी टूट गया। इस हमले की वजह से घोष को रैली रद्द करके कोलकाता लौटना पड़ा। बाद में, घोष ने हमले के लिए सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी को ज़िम्मेदार ठहराया और कहा कि इससे राज्य में 'जंगल राज' का पता चलता है। उन्होंने यह भी दावा किया कि उनकी कार का पिछला शीशा टूट गया है और कहा कि वह पुलिस में शिकायत दर्ज कराएंगे। पश्चिम बंगाल

विधानसभा में बेलेघाटा निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले घोष ने कहा यह जंगल राज है। उन्होंने मेरी कार पर पत्थर और अंडे फेंके और रास्ता रोक दिया। वहां कोई पुलिसकर्मी मौजूद नहीं था। मैं अब कोलकाता लौट रहा हूं और शिकायत दर्ज कराने के लिए सीधे लाल बाजार या भवानी भवन जाऊंगा। ममता बनर्जी ने घोष पर हुए हमले के लिए बीजेपी पर निशाना साधा और कहा कि सत्ताधारी पार्टी को पश्चिम बंगाल के लिए 'परेशानी खड़ी' नहीं करनी चाहिए। मीडिया को जानकारी देते हुए, तीन बार मुख्यमंत्री रहीं ममता बनर्जी ने कहा कि वह उस जगह का दौरा करेंगी जहां घोष की कार पर हमला हुआ था; उन्होंने दावा किया कि इस घटना में विधायक को चोटें भी आई हैं।

बनर्जी ने कहा हमारे लोगों को बुरी तरह पीटा जा रहा है और उन्हें सड़क पर रोका जा रहा है। उन्हें उस जगह जाने नहीं दिया जा रहा है और बीजेपी के सभी गुंडे और बदमाश हमारे लोगों पर हमला कर रहे हैं। इतने सारे लोगों पर हमला हुआ है, उन्हें घेरा गया है। अब मैं उस जगह जा रही हूं। देखती हूं... हमारे लोगों को घेरा जा रहा है।

तमिलनाडु: लग्जरी लाइफ का रील बनाती थी इन्फ्लुएंसर, वीडियो देखकर चोरों ने घर से उड़ा दिए 1 करोड़ के सामान

चेन्नई, 26 सितम्बर। सोशल मीडिया पर अपनी लग्जरी लाइफस्टाइल, गहने और पैसों के वीडियो शेयर करना एक सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर को भारी पड़ गया। तमिलनाडु के नगेकोइल के पास एक वीआईपी इलाके में रहने वाली इन्फ्लुएंसर मधुप्रीता और उनके व्यापारी पति विनोद कुमार के घर चोरों ने धावा बोलकर करीब 1 करोड़ रुपये के सोने-हीरे के गहने और नकदी चुरा ली। पुलिस के मुताबिक, मधुप्रीता और उनके पति अपनी दो साल की बेटी के साथ 24 सितंबर की शाम को कपड़े खरीदने तिरुनेलवेली गए थे। जब वे रात करीब 12 बजे वापस लौटे, तो मुख्य दरवाजा नहीं खुला। पति विनोद कुमार ने पीछे जाकर देखा, तो पिछले दरवाजे का ताला टूटा हुआ था। अंदर जाने पर पता चला कि बेडरूम

का सामान बिखरा पड़ा है और अलमारी खुली है। चोर एक सूटकेस में रखे तकरीबन 900 से ज्यादा ग्राम सोने और हीरे के गहने, साथ ही 50000 रुपये नकद चुराकर ले गए। पुलिस को शक है कि चोरों ने दरवाजा तोड़ने के लिए ट्री-कटर का इस्तेमाल किया होगा।

इस मामले में पुलिस अब सोशल मीडिया रील्स और पोस्ट की भी बारीकी से जांच कर रही है। हालांकि मामले में बड़ी बात यह है कि मधुप्रीता के यूट्यूब पर 41000 से ज्यादा फॉलोअर्स हैं। वह अक्सर अपने वीडियो में सोने के गहने और घर में रखे कैश के बंडल दिखाती थीं। एक वीडियो में वह अपनी बेटी को पैसे देते हुए भी नजर आई थीं। पुलिस का मानना है कि उन्होंने अपनी हर खरीदारी, ज्वैलरी स्टोर के नाम और यहां तक कि बाहर जाने के प्लान भी सोशल मीडिया पर शेयर किए थे। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि क्या चोरों ने इन्हीं पोस्ट को देखकर घर खाली होने का अंदाजा लगाया था। हालांकि अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। घटना की गंभीरता को देखते हुए जिला पुलिस अधीक्षक मौके पर पहुंचे और आरोपियों को पकड़ने के लिए 5 विशेष टीमों का गठन किया गया है।

गृह मंत्री अमित शाह ने केरलम के कोल्लम में महिला सशक्तीकरण और सहकारिता से जुड़ी विभिन्न पहलों का किया शुभारंभ

केरलम, 26 सितम्बर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सहकार से समृद्धि के विजन के अनुरूप तथा सहकारिता के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने और महिला-नेतृत्व वाले विकास को नई गति देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में, केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने आज केरलम के कोल्लम स्थित पवित्रम कन्वेंशन सेंटर में महिला सशक्तीकरण और सहकारिता से जुड़ी विभिन्न पहलों का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस तथा पर्यटन राज्य मंत्री सुरेश गोपी सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति और सहकारिता क्षेत्र से जुड़े प्रतिनिधि उपस्थित थे।

अपने संबोधन की शुरूआत में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने केरल से केरलम की यात्रा के लिए सभी मलयाली भाइयों और बहनों को बधाई और शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि आजादी के अमृतकाल में किसानों और सहकारिता क्षेत्र से जुड़े लोगों की लंबे समय से यह मांग थी कि केंद्र में अलग सहकारिता मंत्रालय बनाया जाए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने केंद्र में सहकारिता मंत्रालय का गठन करके देश के ग्रामीण विकास, कृषि विकास और महिला सशक्तीकरण की दिशा में एक बहुत बड़ा कदम उठाया है, जिससे सहकारिता क्षेत्र में नई ऊर्जा और नई गति आई है।

केरलम की समृद्ध सहकारी विरासत का उल्लेख करते हुए अमित शाह ने कहा कि केरलम ऐसे राज्यों में शामिल है, जहां आजादी से पहले से ही सहकारिता आंदोलन

मजबूत और व्यवस्थित रूप से चलता रहा है। त्रावणकोर, कोच्चि और मालाबार जैसे क्षेत्रों में स्वतंत्रता से पहले से ही सहकारिता की मजबूत परंपरा रही है और इसलिए केरलम का सहकारिता आंदोलन पूरे देश के लिए एक महत्वपूर्ण उदाहरण है। उन्होंने कहा कि सहकारी क्षेत्र में शी मार्ट की जिस पहल की आज शुरूआत हो रही है, उसकी घोषणा केंद्रीय वित्त मंत्री ने बजट में की थी और इसका शुभारंभ केरलम से होना प्रसन्नता की बात है। आम लोगों और किसानों को किफायती खाद्य वस्तुएं उपलब्ध कराने के लिए शुरू की गई पहलों की जानकारी देते हुए केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि NAFED की मोबाइल वैन के माध्यम से प्याज तथा भारत आटा और भारत चावल किसानों एवं आम लोगों के लिए उपलब्ध कराने की पहल भी केरलम में शुरू हुई है। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर दलहन मिशन के अंतर्गत महिला किसानों को उड़द और चने के बीज उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

इसी प्रकार NAFED-कल्याण छात्रवृत्ति योजना के तहत लगभग दो हजार परिवारों की बालिकाओं को छात्रवृत्ति देने का कार्य भी किया गया है।

महिला स्वयं सहायता समूहों और ग्रामीण महिला उद्यमियों के लिए शी मार्ट के महत्व को रेखांकित करते हुए श्री अमित शाह ने कहा कि आज के कार्यक्रम का सबसे महत्वपूर्ण पहलू शी मार्ट की शुरूआत है। शी मार्ट की अवधारणा महिला स्वयं सहायता समूहों और ग्रामीण महिला उद्यमियों को बाजार तथा उपभोक्ताओं से सीधे जोड़ने का महत्वपूर्ण प्रयास है।

पाकिस्तान : डेरा इस्माइल खान में धमाका, 12 लोगों की मौत, 18 अन्य घायल

पाकिस्तान। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी हिस्से में शनिवार को प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के एक आत्मघाती हमलावर ने पुलिस चौकी को निशाना बनाया, जिसमें दो महिलाओं और दो बच्चों समेत कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई तथा 18 अन्य घायल हो गए। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

पाकिस्तान की राष्ट्रीय आपातकालीन प्रतिक्रिया सेवा रेस्क्यू 1122 के अनुसार, यह घटना डेरा इस्माइल खान जिले की दराजिंदा तहसील में हुई, जो अशांत खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान प्रांतों की सीमा के पास स्थित है। क्षेत्रीय पुलिस अधिकारी खान मुबाशिर मलिक ने बताया कि आत्मघाती हमलावर ने विस्फोटकों से लदी ट्रैक्टर-ट्रॉली को अमन मेला पुलिस

चौकी से टकरा दिया। उन्होंने बताया कि हमले में 12 लोगों की मौत हुई और 18 अन्य घायल हुए हैं।

पुलिस के अनुसार, मारे गए लोगों में सीमा शुल्क और उत्पाद शुल्क विभाग के दो अधिकारी भी शामिल हैं। घायलों को इलाज के लिए जिला मुख्यालय अस्पताल ले जाया गया, जबकि मृतकों के शव भी वहीं पहुंचाए गए हैं। पुलिस ने बताया कि हमले में इस्तेमाल किए गए विस्फोटकों की प्रकृति का पता लगाने के लिए बम निरोधक दस्तों को घटनास्थल पर भेजा गया है।

थाईलैंड में बाढ़ से हाहाकार, बैंकॉक के सभी 50 जिले आपदा क्षेत्र घोषित, टूरिस्टों की बढ़ी मुश्किलें

बैंकॉक, 26 सितम्बर। थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक इस समय भारी बारिश और बाढ़ की चपेट में है। बैंकॉक में बारिश ने ऐसा कहर बरपाया कि सड़कें दरिया में बदल गईं और कई इलाकों में गाड़ियां पानी में डूब गईं। हालात को देखते हुए शहर के सभी 50 जिलों को बाढ़ आपदा क्षेत्र घोषित कर दिया गया है। पर्यटक टैक्सी के लिए परेशान हैं,

कई कार्यक्रम रद्द हो चुके हैं और कई कारोबार बंद रखने पड़े हैं। हालांकि हवाई यातायात सामान्य है, कुछ उड़ानों में देरी की आशंका जताई गई है ।बृहस्पतिवार से शहर के कई हिस्सों में 30 सेंटीमीटर से ज्यादा बारिश दर्ज की गई है। इसके बाद बाढ़ का पानी मध्य और पूर्वी बैंकॉक के कई इलाकों में फैल गया, जिससे सड़कें बंद हो गईं और यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ ।हालांकि बैंकॉक का पूरा शहर पानी में नहीं डूबा है, लेकिन स्थिति की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन ने राजधानी के सभी 50 जिलों को बाढ़ आपदा क्षेत्र घोषित कर दिया है। इसका मकसद अधिकारियों को राहत और बचाव कार्य तेजी से संचालित करने में सक्षम बनाना है। बाढ़ का सबसे ज्यादा असर शहर के सड़क यातायात पर पड़ा है। कई इलाकों में सड़कें पूरी तरह पानी में डूब गईं और कुछ जगहों पर नावों का इस्तेमाल करना पड़ा। राजधानी की व्यस्त पेचबुरी रोड पर भी बाढ़ के कारण असामान्य सन्नाटा दिखाई दिया। पानी बढ़ने के बाद कई वाहनों को वापस लौटना पड़ा, जबकि कुछ गाड़ियां आंशिक रूप से पानी में डूबी नजर आईं ।भारी बारिश के बाद बैंकॉक के सभी 50 जिलों को बाढ़ आपदा क्षेत्र घोषित किया गया है।

TIWARI'S SARASWATI CLASSES
— Since 1992 —
Parents' First Choice for 34+ Years
Prof. Dr. Dayanand Tiwari
Founder & Academic Director
ADMISSIONS OPEN
9th | 10th | 11th | 12th SCIENCE
NEET | JEE | MHT-CET
10 DAYS FREE DEMO
Attend Classes • Experience Our Teaching
Take Admission After Satisfaction
(No Hidden Conditions)
✓ 34+ Years of Academic Excellence
✓ Experienced & Dedicated Faculty
✓ Personal Attention
✓ Printed Notes & Regular Tests
✓ Strong Foundation for Boards & Competitive Exams
Santacruz Branch
101 Sai Chambers,
Opp. Santacruz Railway Station (East),
Near Depot, Santacruz (E), Mumbai-400055
Sion Branch
Opp. SIES College (Old),
Near Gurukripa Hotel,
Sion (West), Mumbai
Limited Seats / Small Batch Size
CALL NOW:
7738007373

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37
* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकिस्ता उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकिस्ता सुविधा उपलब्ध

NEW LIGHT CLASSES
TRADITION OF EXCELLENCE
2nd Floor, Sheetal Bldg.
Near Diamond Talkies,
L. T. Road, Borivali (West)
Mumbai - 400 092
Maharashtra
ADMISSIONS OPEN
ALL OVER INDIA
ENROLL NOW

SMART CLASSROOM
(ONLINE/OFFLINE)
Courses Offered
• Std. XI & XII (Sci.)
• NEET
• JEE (Main & Advance)
• MHT-CET
• Polytechnic & Engg
• Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)
M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

लालच और विस्तार को कोई अंत नहीं युद्ध समाधान नहीं

संजीव ठाकुर

युद्ध का उन्माद मानव सभ्यता के इतिहास का सबसे त्रासद अध्याय रहा है, जहाँ शक्ति, प्रभुत्व और स्वार्थ की अंधी दौड़ में मनुष्य अपने ही अस्तित्व को दांव पर लगा देता है। जब राष्ट्रवाद की आग विवेक पर भारी पड़ती है, तब युद्ध केवल सीमाओं का संघर्ष नहीं रह जाता, वह मनुष्यता के मूल्यों का भी विध्वंस बन जाता है। युद्ध चाहे किसी भी काल में हुआ हो, उसका परिणाम सदैव एक-सा ही रहा है विनाश, पीड़ा और पश्चाताप। दो विश्व युद्धों की विभीषिका ने यह स्पष्ट कर दिया कि हिंसा से किसी भी समस्या का स्थायी समाधान संभव नहीं है, बल्कि यह नई समस्याओं और घावों को जन्म देती है। युद्ध के मैदान में केवल सैनिक ही नहीं मरते, बल्कि उनके साथ असंख्य निर्दोष नागरिक भी अपनी जान गंवाते हैं, जिनका उस संघर्ष से कोई प्रत्यक्ष संबंध नहीं होता। उनके सपने, उनकी आशाएँ और उनका भविष्य सब कुछ एक पल में राख हो जाता है। जब कोई माँ अपने बेटे को खोती है, जब कोई बच्चा अपने पिता की लाश देखता है, तब राष्ट्र की जीत का कोई अर्थ नहीं रह जाता, केवल एक गहरी शून्यता और असहनीय पीड़ा शेष रह जाती है। यही वह क्षण होता है जब मनुष्य को आत्मज्ञान का बोध होता है कि उसने क्या खो दिया और किस कीमत पर। युद्ध का वास्तविक चेहरा तब सामने आता है जब शहरों के खंडहर, जली हुई फसलें, उजड़े हुए घर और रोते हुए लोग उसकी गवाही देते हैं। आधुनिक समय में भी स्थिति कुछ अलग नहीं है, चाहे वह रूस-यूक्रेन का संघर्ष हो, इजरायल-फिलिस्तीन का विवाद हो या अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच बढ़ता तनाव हर जगह एक समान पीड़ा और विनाश का दृश्य देखने को मिलता है।

इन संघर्षों में सत्ता के शीर्ष पर बैठे लोगों के निर्णयों का भार आम नागरिकों को उठाना पड़ता है, जो अपनी जान देकर उन महत्वाकांक्षाओं को पूरा करते हैं जिनसे उनका कोई लेना-देना नहीं होता। युद्ध केवल मानव जीवन को ही नहीं, बल्कि आर्थिक व्यवस्था को भी गहरे संकट में डाल देता है। उद्योग धंधे ठप हो जाते हैं, महंगाई आसमान छूने लगती है, बेरोजगारी बढ़ती है और विकास की गति रुक जाती है। एक देश को वर्षों पीछे धकेल देने वाला यह विनाश केवल भौतिक नहीं होता, बल्कि मानसिक और सामाजिक स्तर पर भी गहरा असर छोड़ता है। युद्ध के बाद बचता है तो केवल एक टूटा हुआ समाज, जिसमें अविश्वास, भय और असुरक्षा की भावना घर कर जाती है। यही कारण है कि इतिहास हमें बार-बार यह सिखाने का प्रयास करता है कि युद्ध किसी भी समस्या का समाधान नहीं है, बल्कि यह समस्याओं को और जटिल बना देता है। आत्मज्ञानी व्यक्ति और संवेदनशील समाज इस सत्य को समझते हैं कि शांति ही वह मार्ग है जो मानवता को आगे बढ़ा सकता है। युद्ध के बाद जब धूल बैठती है और लोग अपने खोए हुए प्रियजनों की याद में रोते हैं, तब उन्हें यह अहसास होता है कि उन्होंने क्या खोया है और क्या पाया है। उस समय कोई भी जीत सार्थक नहीं लगती, क्योंकि जीत की कीमत बहुत अधिक होती है। युद्ध की राख से उठने वाली यह चेतना ही आत्मज्ञान का वास्तविक रूप है, जो हमें यह समझाती है कि हिंसा और घृणा के मार्ग पर चलकर हम केवल विनाश ही प्राप्त कर सकते हैं। यदि मानवता को बचाना है, तो हमें संवाद, सहिष्णुता और प्रेम का मार्ग अपनाना होगा। युद्ध का उन्माद क्षणिक हो सकता है, लेकिन उसके परिणाम पीढ़ियों तक महसूस किए जाते हैं। इसलिए आवश्यक है कि हम इतिहास से सीख लें और भविष्य को बेहतर बनाने के लिए शांति का मार्ग चुनें, क्योंकि अंततः वही मार्ग हमें सच्चे अर्थों में मानव बनाता है।

घुंघराले बालों की देखभाल : खूबसूरत घुंघरालों के लिए सही देखभाल जरूरी

घुंघराले बाल देखने में बेहद आकर्षक लगते हैं, लेकिन उनकी देखभाल सीधे बालों की तुलना में थोड़ी अलग होती है। घुंघराले बालों में सिर की त्वचा का प्राकृतिक तेल बालों की पूरी लंबाई तक आसानी से नहीं पहुँच पाता। इसलिए ऐसे बाल अक्सर रूखे, बेजान और उलझे हुए दिखाई दे सकते हैं। सही देखभाल से प्राकृतिक घुंघरालों को स्वस्थ, मुलायम और खूबसूरत बनाए रखा जा सकता है।

सबसे पहले समझें अपने बालों की जरूरत: हर घुंघराला बाल एक जैसा नहीं होता। किसी के बाल हल्के लहरदार होते हैं, तो किसी के बाल अधिक घुंघराले होते हैं। इसलिए केवल दूसरों को देखकर कोई उत्पाद या उपचार चुनने के बजाय अपने सिर की त्वचा और बालों की प्रकृति को समझना जरूरी है।

बार-बार बाल न धोएँ: घुंघराले बालों में बहुत अधिक बार शैम्पू करने से बालों की प्राकृतिक नमी कम हो सकती है। जरूरत के अनुसार हल्के शैम्पू का इस्तेमाल करें और शैम्पू मुख्य रूप से सिर की त्वचा पर लगाएँ। बालों की लंबाई को जोर से रगड़ने से बचें।

कंडीशनर है बहुत जरूरी: हर बार बाल धोने के बाद कंडीशनर लगाना घुंघराले बालों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। कंडीशनर को बालों की लंबाई और सिरों पर लगाकर कुछ मिनट छोड़ें और फिर अच्छी तरह पानी से धो लें। इससे बालों में नमी बनाए रखने और रूखापन कम करने में मदद मिलती है।

घुंघराले बालों के लिए हेयर मास्क बहुत जरूरी: घुंघराले बालों में रूखेपन की समस्या अधिक हो सकती है। इसलिए सप्ताह में एक बार गहरी नमी देने वाला हेयर मास्क या घुंघराले बालों के लिए विशेष हेयर मास्क लगाना फायदेमंद हो सकता है। इससे बालों को अतिरिक्त नमी मिलती है और घुंघराले बाल अधिक मुलायम, व्यवस्थित और स्पष्ट दिखाई दे सकते हैं। हेयर मास्क मुख्य रूप से बालों की लंबाई और सिरों पर लगाएँ। सिर की त्वचा पर मास्क तभी लगाएँ, जब वह विशेष रूप से सिर की त्वचा के लिए बनाया गया हो। सामान्यतः 15 से 20 मिनट बाद इसे अच्छी तरह पानी से धो लें।

बहुत अधिक रूखे या क्षतिग्रस्त बालों में हेयर विशेषज्ञ की सलाह के अनुसार मास्क लगाने की आवृत्ति बढ़ाई जा सकती है। घुंघराले बालों को उभारने वाले हेयर मास्क ऐसे उत्पाद होते हैं जो बालों के प्राकृतिक घुंघरालेपन को बनाए रखने और बालों का रूखापन कम करने में मदद कर सकते हैं। हालांकि, केवल उत्पाद के नाम को देखकर उसका चुनाव करने के बजाय उसमें मौजूद सामग्री और अपने बालों की प्रकृति को ध्यान में रखना चाहिए। बालों में नमी और प्रोटीन का संतुलन भी महत्वपूर्ण है।

गीले बालों को संभालकर सुखाएँ: बालों को तौलिए से जोर-जोर से रगड़ने से बालों का रूखापन और टूटना बढ़ सकता है। मुलायम माइक्रोफाइबर तौलिए या सूती कपड़े से बालों को धीरे-धीरे दबाकर अतिरिक्त पानी निकालें। संभव हो तो बालों को प्राकृतिक रूप से सूखने दें।

घुंघराले बालों में बार-बार कंघी न करें: सूखे घुंघराले बालों को बार-बार कंघी करने से उनका प्राकृतिक घुंघरालापन बिगड़ सकता है और बाल अधिक उलझे हुए दिखाई दे सकते हैं। जरूरत हो तो कंडीशनर लगे होने के दौरान चौड़े दाँतों वाली कंघी से धीरे-धीरे बालों की उलझन दूर करें।

गर्मी से बालों को बचाएँ: बाल सीधे करने वाली मशीन, घुंघराले करने वाली मशीन और बहुत अधिक गर्म हवा से बालों को नुकसान हो सकता है। गर्म उपकरणों का इस्तेमाल करना ही हो तो पहले गर्मी से बचाने वाले उत्पाद का इस्तेमाल करें और बहुत अधिक तापमान से बचें।

सही हेयरस्टाइल भी महत्वपूर्ण है: बहुत कसकर पोनीटेल बनाना या लगातार एक ही तरह से बाल बाँधने से बाल टूट सकते हैं और सिर की त्वचा पर खिंचाव पड़ सकता है। सोते समय ढीली चोटी या ढीला हेयरस्टाइल रखने से बालों पर होने वाला घर्षण कम हो सकता है। रेशमी या साटन के तकिए का इस्तेमाल भी कुछ लोगों में बालों के घर्षण और रूखापन को कम करने में मदद कर सकता है।

एक बात हमेशा याद रखें: घुंघराले बालों को बिल्कुल सीधे या पूरी तरह रूखेपन से मुक्त बनाने की कोशिश करने के बजाय उनकी प्राकृतिक बनावट को स्वस्थ रखना ज्यादा महत्वपूर्ण है। सही शैम्पू, नियमित कंडीशनिंग, सप्ताह में एक बार हेयर मास्क, बालों को धीरे से संभालना और गर्म उपकरणों का कम इस्तेमाल—यही खूबसूरत और स्वस्थ घुंघराले बालों की कुंजी है। -डॉ. मोना त्रिवेदी

लोकतंत्र की बुनियाद पर चोटः जब कानून के रक्षक ही बनने लगें भक्षक

अशोक भाटिया

संवैधानिक मयार्दाओं, लोकतांत्रिक मूल्यों और 'जनता के, जनता द्वारा, जनता के लिए' शासन के संकल्प से निर्मित हमारा गणतंत्र आज एक गंभीर आंतरिक संकट के दौर से गुजर रहा है। यह संकट किसी बाहरी शत्रु का नहीं, बल्कि व्यवस्था की रगों में फैल चुके उस अदृश्य विष का है जिसे हम 'भ्रष्टाचार' कहते हैं। गणतंत्र की नींव लोक-कल्याण, समानता और न्याय पर टिकी होती है, लेकिन जब इस नींव को भ्रष्टाचार रूपी घुन अंदर ही अंदर चाटने लगे, तो लोकतंत्र का भव्य ढांचा बाहर से जितना भी मजबूत दिखाई दे, भीतर से वह खोखला होने लगता है। भ्रष्टाचार केवल धन का अवैध लेन-देन या आर्थिक अपराध नहीं है; यह वास्तव में एक नैतिक पतन है जो आम नागरिक के अधिकारों का हनन करता है और राज्य की संप्रभुता व साख को सीधे तौर पर चुनौती देता है। वैश्विक स्तर पर देखें तो ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल के भ्रष्टाचार धारणा सूचकांक में भारत भले ही ९१वें पायदान पर पहुंच गया हो, लेकिन १०० में से ३९ का स्कोर यह साफ दशार्ता है कि हमारा गणतंत्र अभी भी एक गंभीर खतरे के साए में है। जब एक आम नागरिक को अपने मौलिक अधिकारों, बुनियादी सुविधाओं और न्याय के लिए भी रिश्वत या रसूख का सहारा लेना पड़े, तो समझ लेना चाहिए कि गणतंत्र की आत्मा लहूलुहान हो रही है।

आजादी के बाद से हमने एक ऐसे कल्याणकारी राज्य की कल्पना की थी, जहां समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक विकास की किरणें पहुंचेंगी। किंतु, धरातल की सच्चाई आज भी इसके विपरीत खड़ी दिखाई देती है। हाल ही में सामने आए बड़े वित्तीय अपराधों ने इस बात की पुष्टि की है कि भ्रष्टाचार ने अब एक नया और डिजिटल रूप अख्तियार कर लिया है। भारतीय रिजर्व बैंक की हालिया रिपोर्ट के चौंकाने वाले आंकड़े बताते हैं कि बैंकिंग क्षेत्र में धोखाधड़ी और घोटालों के मामले १०,००० के पार जा चुके हैं, जिनमें ४८,०२१ करोड़ रुपये से अधिक की जनता की गाढ़ी कमाई दांव पर लगी है। यह आंकड़े केवल बैंकिंग धोखाधड़ी के नहीं हैं, बल्कि यह उस भरोसे का कत्ल है जो एक आम आदमी देश के वित्तीय तंत्र पर करता है। प्रशासनिक तंत्र में व्याप्त लालफीताशाही और बड़ी कॉर्पोरेट साठगांठ ने एक समानांतर व्यवस्था खड़ी कर दी है, जहां नीतिगत भ्रष्टाचार के जरिए देश के संसाधनों की खुली लूट हो रही है।

लोकतंत्र के सबसे बड़े स्तंभ यानी चुनाव प्रणाली की शुचिता भी आज तीखे राजनीतिक आरोपों के घेरे में है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने हाल ही में (२४ सितंबर, २०२६) एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से चुनावी सूचियों में बड़े पैमाने पर हेरफेर का आरोप लगाते हुए इसे वोट चोरी करार दिया है। राहुल गांधी का आरोप है कि मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयोग द्वारा विपक्षी समुदायों, दलितों, पिछड़ों और अल्पसंख्यकों के नाम जानबूझकर मतदाता सूचियों से हटाए जा रहे हैं और उन्होंने इसे सीधे तौर पर ₹संविधान के खिलाफ बड़ा अपराध और देशद्रोह बताया है। हालांकि, सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी ने इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए राहुल गांधी को भ्रम फैलाने का उस्ताद कहा है और इन दावों को बिना किसी पुख्ता सबूत के राजनीति से प्रेरित बताया है। इसके अतिरिक्त, उन्होंने यूपीआई

हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
मार्गदर्शन

ट्रांजैक्शन पर लगने वाले शुल्कों और डिजिटल पेमेंट्स को लेकर भी सरकार पर अमेरिकी कंपनियों के दबाव में काम करने और आम जनता को लूटने के नीतिगत भ्रष्टाचार के आरोप मढ़े हैं। इस प्रकार के गंभीर आरोप-प्रत्यारोप और संस्थागत विश्वसनीयता पर उठते सवाल इस बात का स्पष्ट संकेत हैं कि तंत्र के भीतर गहरा अविश्वास पनप रहा है।

भ्रष्टाचार का सबसे भयावह रूप हमारे लोकतांत्रिक संस्थानों और बुनियादी अधिकारों से जुड़े विभागों में देखने को मिलता है। जब शिक्षा, भर्ती और खेल आयोजनों जैसे पवित्र क्षेत्रों में भी भ्रष्टाचार का वायरस घुस जाए, तो गणतंत्र का भविष्य ही दांव पर लग जाता है। पश्चिम बंगाल के बहुचर्चित स्कूल सेवा आयोग भर्ती घोटाले जैसी घटनाएं इसका ज्वलंत उदाहरण हैं, जहां मेधावी छात्र सड़कों पर न्याय के लिए भीख मांगते रहे और अयोग्य लोगों को पैसों के दम पर नौकरियां बांट दी गईं। इतना ही नहीं, खेल जगत से लेकर वित्तीय संस्थानों तक जांच एजेंसियों द्वारा देश के प्रतिष्ठित वित्तीय संस्थानों जैसे एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस से जुड़े रु.१,३२२ करोड़ के कथित ऋण घोटाले की हालिया जांच यह साबित करती है कि बड़ी मछलियां आज भी कानून की नाक के नीचे देश के संसाधनों को खोखला कर रही हैं। जब देश की संपदा और युवाओं का भविष्य भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाता है, तो देश के समग्र विकास की गति अवरुद्ध होना अनिवार्य है।

इस विकराल समस्या से निपटने के लिए हमारे पास वैधानिक अस्त्रों की कमी नहीं है, लेकिन चिंता का विषय उनका प्रभावी क्रियान्वयन है। भारत में भ्रष्टाचार के खिलाफ मुख्य कवच भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, १९८८ है, जिसमें समय के साथ कड़े बदलाव किए गए हैं। २०१८ के संशोधन के माध्यम से इस कानून को और अधिक धारदार बनाने का प्रयास किया गया, जिसके तहत अब केवल रिश्वत लेने वाले लोक सेवक ही नहीं, बल्कि रिश्वत देने वाले को भी सीधे तौर पर अपराधी माना गया है और उनके लिए ७ साल तक की कैद का प्रावधान है। इसके अलावा, लोक सेवकों की संपत्तियों की कुर्की और मुकदमों को निपटाने के लिए २ साल की समय-सीमा तय की गई है। इस कानून के साथ-साथ धन शोधन निवारण अधिनियम और बेनामी संपत्ति लेनदेन निषेध अधिनियम जैसे दंडात्मक प्रावधान भी मौजूद हैं। कानूनन, भ्रष्टाचार अब एक ऐसा संज्ञेय अपराध है जहां अपराधियों की आर्थिक रीढ़ तोड़ने और उन्हें सलाखों के पीछे भेजने की पूरी शक्ति राज्य के पास सुरक्षित है।

परंतु, इन कड़े वैधानिक प्रावधानों के बावजूद धरातल पर कानून का खौफ उम्मीद के मुताबिक दिखाई नहीं देता। इसका सबसे बड़ा कारण प्रशासनिक स्वीकृतियों की जटिलता और अदालती मुकदमों में होने वाली असीमित देरी है। सीबीआई के हालिया आंकड़ों के अनुसार, एजेंसी द्वारा जांच किए गए ७,२०० से अधिक भ्रष्टाचार के मामले अदालतों में लंबित हैं, जिनमें से ४०० से अधिक मामले तो पिछले दो दशकों से न्याय की बाट जोह रहे हैं। भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा १७ए के तहत किसी लोक सेवक के खिलाफ जांच शुरू करने से पहले सरकार से पूर्व मंजूरी लेने की अनिवार्यता अक्सर बड़ी मछलियों के लिए एक सुरक्षा कवच बन जाती है। नौकरशाही और राजनीतिक रसूख के कारण यह मंजूरी मिलने में महीनों या सालों लग जाते हैं, जिससे जांच की गोपनीयता और प्रभावशीलता दोनों प्रभावित होती हैं। न्याय में होने वाली यह अत्यधिक देरी और कानूनी पेचीदगियां समाज में यह गलत संदेश देती हैं कि ताकतवर लोग अपराध करके भी बच सकते हैं।

यदि हमें अपने गणतंत्र को वास्तव में अक्षुण्ण, मजबूत और प्रासंगिक बनाए रखना है, तो अब केवल सतही उपचार से काम नहीं चलेगा। हमें इस व्यवस्था की शल्य-चिकित्सा करनी होगी। इसके लिए भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत अनिवार्य पूर्व-मंजूरी की व्यवस्था को सुव्यवस्थित और पारदर्शी बनाना होगा ताकि कोई भी दोषी तकनीकी कमियों का फायदा न उठा सके। इसके साथ ही, भ्रष्टाचार निरोधक संस्थाओं जैसे लोकपाल, लोकायुक्त और केंद्रीय सतर्कता आयोग को बिना किसी राजनीतिक हस्तक्षेप या दबाव के स्वायत्त रूप से काम करने की पूर्ण स्वतंत्रता देनी होगी। न्यायपालिका में विशेष फास्ट-ट्रैक अदालतों की संख्या बढ़ानी होगी ताकि भ्रष्टाचार के मुकदमों का निपटारा कानूनन तय समय-सीमा के भीतर हो और भ्रष्टाचारियों में कानून का वास्तविक खौफ पैदा हो।

दरअसल यह लड़ाई केवल सरकारों या कानूनों के भरोसे नहीं जीती जा सकती। यह एक सामाजिक और सांस्कृतिक संग्राम है, जिसे देश के प्रत्येक नागरिक को लड़ना होगा। जब तक हम समाज के रूप में भ्रष्ट व्यक्तियों का सामाजिक बहिष्कार नहीं करेंगे और ईमानदारी को प्रतिष्ठा नहीं देंगे, तब तक व्यवस्था को साफ करना असंभव है। नागरिक चेतना और मजबूत कानून का समन्वय ही वह अचूक अस्त्र है जो लोकतंत्र को जीवंत रखती है। गणतंत्र दिवस पर तिरंगा फहराना तभी सार्थक होगा, जब हम एक ऐसे भारत के निर्माण का संकल्प लें जहां व्यवस्था घुन से मुक्त हो, न्याय निष्पक्ष हो और हर नागरिक का सिर सम्मान से ऊंचा हो। समय आ गया है कि हम जागें, क्योंकि खोखला होता गणतंत्र केवल एक राजनीतिक आपदा नहीं, बल्कि हमारी आने वाली पीढ़ियों के भविष्य का अंधकार है।

जल की अंजुलि में लौट आएंगी पुरखों की यादें...

-सुरेश गांधी

गंगा की धारा के किनारे कोई अंजुलि भर जल उठाएगा, कोई कुश की पवित्री धारण कर मौन खड़ा होगा और कोई पत्तल पर सजा अन्न कौवे, गाय, कुत्ते और चींटियों के लिए निकाल देगा। पितृपक्ष में काशी का यही दृश्य बताता है कि सनातन परंपरा में पूर्वजों का स्मरण केवल किसी तस्वीर के आगे दीप जलाने तक सीमित नहीं है। यह उस ऋण को याद करने का अवसर है, जिसकी कोई रसीद नहीं होती, लेकिन जिसकी छाप पीढ़ियों के संस्कारों में दिखाई देती है। पितृपक्ष मानो स्मृतियों का वह पखवाड़ा है, जब वर्तमान अपनी जड़ों की ओर लौटता है। घर में बने भोजन की पहली थाली से लेकर गंगा की अंजुलि तक, हर कर्म में उन चेहरों की याद होती है जो दिखाई नहीं देते, लेकिन परिवार की कथा में आज भी मौजूद हैं। वर्ष 2026 में 26 सितंबर को पूर्णिमा श्राद्ध के बाद 27 सितंबर से तिथि आधारित पितृकर्म का क्रम शुरू होगा और 10 अक्टूबर को सर्वपितृ अमावस्या के साथ इसका समापन होगा। इस दौरान प्रत्येक परिवार अपनी परंपरा और पूर्वज की मृत्यु तिथि के अनुसार श्राद्ध, तर्पण और पिंडदान करता है।

एक अंजुलि जल, अनगिनत स्मृतियां

श्राद्ध का सबसे सरल और सबसे मार्मिक विधान है–तर्पण। जल में काले तिल और कुश के साथ पूर्वजों का स्मरण करते हुए अंजुलि भर जल अर्पित करना। जल बहता है, लेकिन स्मृति को अपने साथ नहीं बहाता। उलटे वह उसे और गहरा कर देता है। यही कारण है कि गंगा किनारे पितरों के लिए उठी हर अंजुलि में केवल जल नहीं, बल्कि किसी बेटे की श्रद्धा, किसी बेटी की स्मृति, किसी पत्नी का मौन और किसी परिवार की कृतज्ञता भी दिखाई देती है। धार्मिक परंपरा में पितृकर्म के लिए मध्याह्न और अपराह्न काल को विशेष महत्व दिया गया है। कुतुप और रौहिण मुहूर्त में श्राद्ध करने की परंपरा है। हालांकि वास्तविक समय स्थान और तिथि के अनुसार बदलता है, इसलिए स्थानीय पंचांग के अनुसार ही कर्मकांड का समय निर्धारित करना उचित माना जाता है।

पितरों की थाली में जीवों का हिस्सा

पितृपक्ष का सबसे सुंदर पक्ष शायद यही है कि पूर्वजों के नाम पर निकला अन्न केवल मनुष्य तक सीमित नहीं रहता। कौवे को अन्न, गाय को रोटी, कुत्ते को भोजन और चींटियों के लिए आटा या शक्कर देने की परंपरा पंचबलि की व्यापक भावना से जुड़ी है। धार्मिक मान्यताओं में कौवे को पितरों से जोड़ा गया है। गाय, कुत्ते और अन्य जीवों को भोजन कराने के पीछे भी अलग-अलग धार्मिक संदर्भ हैं। लेकिन इस पूरी परंपरा का एक सहज मानवीय अर्थ भी है–जिस अन्न ने हमें जीवन दिया, उसमें जीवमात्र का भी हिस्सा है। इसलिए पितृपक्ष को केवल मृत्यु की स्मृति का पर्व कहना अधूरा होगा। यह जीवन के प्रति संवेदना का भी पर्व है।

कौवे की कांव में सुनाई देती है स्मृति

श्राद्ध के बाद आंगन या छत की मुंडेर पर रखे अन्न की ओर जब कौवा बढ़ता है तो कई घरों में इसे श्रद्धा से देखा जाता है। लोकविश्वास में कौवा पितरों का प्रतीक माना गया है। वैज्ञानिक प्रमाण के रूप में इसे प्रस्तुत करने के बजाय इसे सनातन लोकमान्यता के रूप में समझना अधिक उचित है। सदियों से चली आ रही यह मान्यता अपने भीतर एक भाव छिपाए है–पूर्वजों को याद करो और अन्न अकेले मत खाओ।

गाय की आंखों में करुणा, कुत्ते के लिए भी निवाला

श्राद्ध के अन्न का एक हिस्सा गाय को देने की परंपरा भी पुरानी है। इसी तरह कुत्ते को भोजन कराने की परंपरा को भी पितृकर्म से जोड़ा गया है। यह दृश्य आज भी गांवों और कस्बों में सहज दिखाई देता है–श्राद्धकर्ता पहले अपने पूर्वजों को स्मरण करता है और फिर भोजन का एक हिस्सा उन जीवों के लिए अलग कर देता है, जो स्वयं अपनी थाली नहीं सजा सकते।शायद यही वह बिंदु है जहां धर्म कर्मकांड से आगे बढ़कर करुणा बन जाता है।

पितरों का ऋण केवल जल से नहीं, संस्कार से उतरता है

सनातन चिंतन में मनुष्य पर

> श्राद्ध केवल तर्पण-पिंडदान नहीं, जीवमात्र के प्रति करुणा का संस्कार भी है. कौवे की कांव से लेकर गाय की आंखों तक में पितृ-स्मरण की परंपरा आज भी सनातन का जीवंत चित्रण है. खास यह है कि काशी में गंगा की लहरें जब शांत होकर घाटों को छूती हैं, तब पितृपक्ष में उनकी अंजुलियों में केवल जल नहीं रहता, उसमें पीढ़ियों की स्मृतियां भी उतर आती हैं। कोई पिता को याद करता है, कोई मां को, तो कोई उन पुरखों को जिन्हें उसने देखा तक नहीं, लेकिन जिनकी विरासत में उसका वर्तमान सांस ले रहा है. पितृपक्ष इसी अदृश्य रिश्ते को महसूस करने का अवसर है। इस वर्ष 26 सितंबर को पूर्णिमा श्राद्ध के बाद 27 सितंबर से तिथि आधारित श्राद्ध शुरू होंगे। 10 अक्टूबर को सर्वपितृ अमावस्या के साथ पितरों को समर्पित यह अवधि पूरी होगी। श्राद्ध में तर्पण, पिंडदान और अन्नदान की परंपरा है। काशी में गंगा तट पर तर्पण को विशेष धार्मिक महत्व प्राप्त है। जल में काले तिल और कुश के साथ पितरों का स्मरण करते हुए अर्पित की गई अंजुलि मानो अतीत और वर्तमान के बीच एक सेतु बन जाती है. इस दौरान श्राद्धकर्ता भोजन का अंश कौवे, गाय, कुत्ते और चींटियों के लिए भी निकालते हैं। यह परंपरा बताती है कि पितृस्मरण केवल अपने पूर्वजों तक सीमित नहीं, बल्कि समूचे जीव-जगत के प्रति संवेदना का संस्कार भी है. पितृपक्ष का सबसे बड़ा संदेश शायद यही है–जड़ों को याद रखिए, क्योंकि जिनसे हमारा अतीत बना, उन्हीं से हमारा वर्तमान भी आकार पाता है

देवऋण, ऋषिऋण और पितृऋण की चर्चा मिलती है। पितृऋण का भाव केवल श्राद्ध करने तक सीमित नहीं है। पूर्वजों ने जो संस्कार, परिवार, ज्ञान और जीवन-मूल्य दिए, उन्हें आगे बढ़ाना भी उनकी स्मृति को जीवित रखना है। इसीलिए श्राद्ध के साथ ब्राह्मण अथवा जरूरतमंद को भोजन कराना, अन्नदान करना और सामर्थ्य के अनुसार सेवा करना भी परंपरा का हिस्सा बना। पितरों के नाम पर दिया गया अन्न अंततः किसी जीव की भूख मिटाए–इससे बड़ी श्रद्धांजलि और क्या होगी।

भरणी और मघा–पितृपक्ष के दो खास पड़ाव

2026 के पितृपक्ष में भरणी और मघा नक्षत्र से जुड़े श्राद्ध भी विशेष चर्चा में रहेंगे। 29 सितंबर को महाभरणी श्राद्ध और 7 अक्टूबर को मघा श्राद्ध का विधान है। ज्योतिषीय-धार्मिक परंपरा में मघा नक्षत्र का संबंध पितृभाव से जोड़ा गया है। इसीलिए मघा के दिन किया गया पितृकर्म विशेष महत्व रखता है।

जब तिथि याद न हो, अमावस्या सहारा बनती है

हर परिवार के पास अपने सभी पूर्वजों की मृत्यु तिथि सुरक्षित नहीं होती। कई बार पीढ़ियां बदलती हैं और तिथियां स्मृतियों के धुंधलके में खो जाती हैं। ऐसे में 10 अक्टूबर की सर्वपितृ अमावस्या महत्वपूर्ण पड़ाव बनेगी। धार्मिक परंपरा में इस दिन ज्ञात-अज्ञात पितरों के निमित्त श्राद्ध और तर्पण करने का विधान माना गया है। अर्थात जिन्हें कैलेंडर की कोई एक तारीख याद नहीं रख पाई, उनके लिए अमावस्या स्मृति का सामूहिक दीपक बन जाती है।

श्राद्ध में समय भी उतना ही महत्वपूर्ण

पितृकर्म के लिए सुबह और शाम के बजाय दिन का मध्य भाग विशेष माना गया है। कुतुप, रौहिण और अपराह्न काल का उल्लेख श्राद्ध परंपरा में मिलता है। इसीलिए केवल यह जानना पर्याप्त नहीं कि किस दिन श्राद्ध करना है। उस दिन स्थानीय पंचांग में निर्धारित श्राद्धकाल देखना भी आवश्यक है।

पितृपक्ष का मौन संदेश

पितृपक्ष में घर के किसी कोने में जलता दीपक, दक्षिण दिशा की ओर जुड़ी धार्मिक मान्यता, तस्वीर के सामने रखा पुष्प और तर्पण के बाद बचा अन्न–ये सभी मिलकर एक ही बात कहते हैं– मनुष्य अकेला नहीं है। उसके पीछे पीढ़ियों की एक लंबी कतार है। हमारे बोलने का ढंग, हमारे संस्कार, हमारी भाषा, हमारे घर की चौखट, भोजन की खुशबू और रिश्तों को निभाने का तरीका–इन सबमें कहीं न कहीं पूर्वजों की छाप होती है. इसलिए पितृपक्ष भय का पर्व नहीं, कृतज्ञता का पर्व है। यह मृत्यु को याद करते हुए जीवन की कीमत समझने का अवसर है। यह अतीत के सामने सिर झुकाकर भविष्य की ओर देखने की परंपरा है।और शायद इसीलिए श्राद्ध की थाली से जब एक मुट्ठी अन्न किसी कौवे की चोंच तक पहुंचता है, गाय के आगे रोटी रखी जाती है या किसी भूखे जीव को निवाला मिलता है, तब पितृ-स्मरण का अर्थ और व्यापक हो जाता है। पितरों के नाम की वह अंजुलि अंततः जीवन के नाम ही तो होती है।

एससी/एसटी एक्ट 1989: सामाजिक न्याय और दुरुपयोग की बहस

– डॉ. सत्यवान सौरभ

- डॉ. सत्यवान सौरभ

भारत में सामाजिक न्याय की बहस जितनी पुरानी है, उतनी ही संवेदनशील भी। अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के विरुद्ध भेदभाव, सामाजिक अपमान और हिंसा की घटनाओं ने स्वतंत्र भारत के सामने लंबे समय से गंभीर चुनौती रखी है। इसी पृष्ठभूमि में एससी/एसटी एक्ट, 1989 अस्तित्व में आया। लेकिन तीन दशक से अधिक समय बाद यह प्रश्न भी महत्वपूर्ण है कि इस कानून ने अपने मूल उद्देश्य को किस सीमा तक पूरा किया है और क्या पीड़ितों की सुरक्षा के साथ निर्दोष व्यक्तियों के अधिकारों की पर्याप्त रक्षा हो रही है।

1989 में इस कानून को बनाने के पीछे तत्कालीन सरकार ने स्पष्ट कारण बताए थे। विधेयक के उद्देश्य और कारणों में कहा गया था कि अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लोग विभिन्न प्रकार के सामाजिक अपमान, हिंसा, भूमि से बेदखली, जबरन मजदूरी तथा अन्य अत्याचारों के प्रति संवेदनशील बने हुए थे। सरकार के अनुसार उस समय उपलब्ध नागरिक अधिकार संरक्षण अधिनियम, 1955 तथा सामान्य दंड कानून इन अपराधों को प्रभावी ढंग से रोकने के लिए पर्याप्त नहीं थे। इसी कारण एक विशेष कानून की आवश्यकता महसूस की गई। इसलिए उपलब्ध सरकारी अभिलेखों के आधार पर यह कहना उचित नहीं होगा कि एससी/एसटी एक्ट बिना किसी विशेष कारण अचानक बनाया गया था। 11 सितंबर 1989 को यह अधिनियम पारित हुआ और 30 जनवरी 1990 से लागू हुआ। इसका घोषित उद्देश्य अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लोगों के विरुद्ध अत्याचारों को रोकना, ऐसे मामलों के लिए विशेष न्यायालयों की व्यवस्था करना तथा पीड़ितों को राहत और पुनर्वास उपलब्ध कराना था। लोकतांत्रिक व्यवस्था में कमजोर वर्गों को कानूनी संरक्षण देना राज्य की जिम्मेदारी है और इस दृष्टि से इस कानून की आवश्यकता को समझा जा सकता है। हालाँकि, कानून की आवश्यकता और उसके संभावित दुरुपयोग पर बहस दो अलग-अलग प्रश्न हैं। किसी भी कठोर कानून में यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि वास्तविक पीड़ित को तत्काल संरक्षण मिले, लेकिन किसी निर्दोष व्यक्ति को केवल आरोप लग जाने के कारण अन्याय का सामना न करना पड़े। एससी/एसटी एक्ट के कुछ प्रावधानों को लेकर समय-समय पर न्यायपालिका के सामने भी यही प्रश्न आया और गिरफ्तारी तथा प्रारंभिक जाँच की प्रक्रिया पर न्यायिक विचार हुआ। बाद में संसद ने कानून में संबंधित संशोधन भी किए।

इस कानून को लेकर एक आम धारणा यह भी है कि झूठी शिकायत करने वाले व्यक्ति को सरकार की ओर से पैसा, मकान या नौकरी देने का प्रावधान है। वास्तव में कानून और उसके नियमों में राहत एवं पुनर्वास की व्यवस्था अत्याचार के पीड़ितों के लिए है। इसे झूठी शिकायत करने वाले व्यक्ति के लिए पुरस्कार के रूप में प्रस्तुत करना तथ्यात्मक रूप से सही नहीं होगा। इसलिए इस विषय पर बहस करते समय पीड़ित को मिलने वाली वैधानिक राहत और झूठी शिकायत के संभावित दुरुपयोग को अलग-अलग समझना आवश्यक है। फिर भी यदि किसी कानून का उपयोग व्यक्तिगत दुश्मनी, संपत्ति विवाद, स्थानीय संघर्ष या अन्य दुर्भावनापूर्ण उद्देश्यों के लिए किया जाता है, तो ऐसी घटनाओं की निष्पक्ष जाँच आवश्यक है। किसी भी कानून का दुरुपयोग उसकी मूल भावना को कमजोर कर सकता है और समाज में कानून के प्रति अविश्वास पैदा कर सकता है। दूसरी ओर, केवल कुछ मामलों में दुरुपयोग की आशंका के आधार पर उन वास्तविक पीड़ितों की समस्याओं को नकारना भी उचित नहीं होगा जिनके लिए कानून बनाया गया है। इसलिए समाधान कानून को कमजोर करना नहीं, बल्कि उसके क्रियान्वयन को अधिक निष्पक्ष, पारदर्शी और जवाबदेह बनाना होना चाहिए। एससी/एसटी एक्ट को लेकर राजनीतिक बहस भी लगातार होती रही है। यह ऐतिहासिक तथ्य है कि यह कानून राजीव गांधी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के कार्यकाल में बनाया गया था। लेकिन उपलब्ध आधिकारिक विधायी दस्तावेजों से यह निष्कर्ष निकालना कि कानून का उद्देश्य हिंदू समाज को तोड़ना या जातीय संघर्ष पैदा करना था, प्रमाणित नहीं होता। किसी राजनीतिक दल की मंशा पर निष्कर्ष निकालने के लिए उसके निर्णयों, दस्तावेजों और प्रमाणित ऐतिहासिक साक्ष्यों का अध्ययन आवश्यक है। राजनीतिक आलोचना लोकतंत्र का हिस्सा है, लेकिन आलोचना और प्रमाणित तथ्य के बीच अंतर बनाए रखना भी उतना ही आवश्यक है। भारत का सामाजिक ढाँचा विविध और जटिल है। जाति आधारित भेदभाव का इतिहास वास्तविक है और उसे नकारकर सामाजिक न्याय की समस्या का समाधान नहीं किया जा सकता। लेकिन इसी के साथ यह भी सुनिश्चित करना होगा कि कानून किसी निर्दोष व्यक्ति के लिए भय का कारण न बने। सामाजिक न्याय का अर्थ किसी एक सामाजिक समूह के विरुद्ध दूसरे समूह को खड़ा करना नहीं हो सकता। न्याय व्यवस्था का उद्देश्य अपराधी और निर्दोष के बीच स्पष्ट अंतर करना होना चाहिए। आज आवश्यकता ऐसी व्यवस्था की है जिसमें जाति आधारित अत्याचार के वास्तविक मामलों में त्वरित और कठोर कार्रवाई हो, पीड़ितों को समय पर राहत मिले, जाँच निष्पक्ष हो और आरोपी को भी संविधान द्वारा प्राप्त न्यायिक अधिकार मिलें। यदि कोई शिकायत जानबूझकर झूठी और दुर्भावनापूर्ण सिद्ध होती है तो कानून के अनुसार उसके विरुद्ध भी कार्रवाई होनी चाहिए। इससे न केवल निर्दोष नागरिकों का विश्वास कायम रहेगा, बल्कि वास्तविक पीड़ितों के लिए बने कानून की विश्वसनीयता भी मजबूत होगी। सामाजिक न्याय और सामाजिक सद्भाव एक-दूसरे के विरोधी नहीं हैं। भारत को ऐसी न्याय व्यवस्था चाहिए जिसमें कमजोर को सुरक्षा मिले, अपराधी को दंड मिले और निर्दोष को भय से मुक्ति मिले। किसी कानून की सफलता केवल इस बात से नहीं मापी जानी चाहिए कि वह कितना कठोर है, बल्कि इस बात से भी कि वह कितना निष्पक्ष और प्रभावी है। लोकतंत्र में कानून का उद्देश्य समाज को बाँटना नहीं, बल्कि नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करते हुए न्याय और विश्वास को मजबूत करना होना चाहिए। कानून की असली शक्ति उसकी कठोरता में नहीं, उसकी निष्पक्षता में होती है।

ईपीएफओ द्वारा तारापुर में जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित

भविष्य निधि, रोजगार पंजीकरण और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की दी जानकारी

पालघर (उत्तरशक्ति)। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ), क्षेत्रीय कार्यालय चारकोप, मुंबई तथा उपक्षेत्रीय कार्यालय ठाणे के मार्गदर्शन में एनपीसीआईएल, तारापुर महाराष्ट्र साइट, पालघर में कर्मचारियों एवं नियोक्ताओं के बीच ईपीएफओ की विभिन्न योजनाओं एवं सुधारों को लेकर जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।कार्यक्रम का उद्देश्य कर्मचारियों और नियोक्ताओं को सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की जानकारी देना तथा पात्र लाभार्थियों तक इन योजनाओं का लाभ पहुंचाना था। कार्यक्रम में तारापुर महाराष्ट्र साइट के संचालक अजय कुमार भोले, अतिरिक्त केंद्रीय भविष्य निधि आयुक्त अनिमेष मिश्रा, केंद्रीय भविष्य निधि आयुक्त के निजी सहायक निखिलचंद्र अनिल झोडे, क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त आयुष गौतम, क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त-द्वितीय अमुतेश श्रीवास्तव तथा मानव संसाधन विभाग के प्रमुख अमुतेश श्रीवास्तव सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। एनपीसीआईएल की ओर से उपमहाप्रबंधक (मानव संसाधन) राजेश कुमार पात्रा, प्रबंधक गौरव दीक्षित, वरिष्ठ अधिकारी, कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में ठेकेदार उपस्थित थे।कार्यक्रम में अधिकारियों ने प्रधानमंत्री रोजगार एवं रोजगार सृजन प्रोत्साहन योजना, कर्मचारी नामांकन अभियान-2026, विश्वास योजना-2026 तथा बढ़ी हुई वेतन सीमा से संबंधित जानकारी दी। प्रधानमंत्री रोजगार एवं रोजगार सृजन प्रोत्साहन योजना : इस योजना का उद्देश्य पहली बार रोजगार प्राप्त करने वाले कर्मचारियों तथा अतिरिक्त रोजगार सृजित करने वाले नियोक्ताओं को प्रोत्साहित करना है। इससे औपचारिक रोजगार को बढ़ावा देने और रोजगार सृजन में सहायता मिलने की जानकारी दी गई। कर्मचारी नामांकन अभियान-2026 : इस अभियान के माध्यम से पूर्व में पंजीकरण से वंचित रह गए पात्र कर्मचारियों को पंजीकरण का अवसर उपलब्ध कराया जा रहा है। इससे अधिक कर्मचारियों को सामाजिक सुरक्षा के दायरे में लाने में मदद मिलेगी। विश्वास योजना-2026 : निर्धारित सरल प्रक्रिया के माध्यम से पात्र पुराने नुकसानभरपाई मामलों के निपटारे को सुगम बनाने की जानकारी दी गई। योजना के माध्यम से स्वैच्छिक अनुपालन को बढ़ावा देने तथा पात्र नियोक्ताओं को राहत देने का उद्देश्य है। बढ़ी हुई वेतन सीमा : ईपीएफओ के अंतर्गत वेतन सीमा बढ़ाकर 25,000 रुपये प्रतिमाह किए जाने से अधिक संख्या में पात्र कर्मचारियों को सामाजिक सुरक्षा के दायरे में लाने में मदद मिलने की जानकारी दी गई। क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त निखिलचंद्र अनिल झोडे ने रोजगार के औपचारिकीकरण तथा सामाजिक सुरक्षा कवच को मजबूत करने में इन योजनाओं की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि इन पहलों से देश के विकास को गति देने में सहायता मिलेगी। अमल अधिकारी भावेश निकम ने योजनाओं के संबंध में विस्तृत जानकारी दी और उनके लाभों को स्पष्ट किया। उपस्थित कर्मचारियों और नियोक्ताओं द्वारा पूछे गये प्रश्नों का ईपीएफओ अधिकारियों ने समाधान किया। कार्यक्रम के समापन पर तारापुर महाराष्ट्र साइट के स्पष्ट संचालक ए.के. भोले ने एनपीसीआईएल साइट का दौरा कर नई योजनाओं के संबंध में जनजागरूकता अभियान चलाने, कर्मचारियों की शंकाओं का समाधान करने तथा ईपीएफओ की सेवाओं को प्रतिष्ठानों तक पहुंचाने के प्रयासों के लिए अधिकारियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के माध्यम से ईपीएफओ ने कर्मचारियों और नियोक्ताओं के बीच सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा पात्र लाभार्थियों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने की प्रतिबद्धता दोहराई।

विनोद म्हात्रे के घोड़बंदर निवास पर गणपति बप्पा का भव्य उत्सव संपन्न

भक्तिमय वातावरण में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब, सांसद राजन विचारे सहित अनेक गणमान्य लोगों ने किए बप्पा के दर्शन

मीरा-भायंदर (उत्तरशक्ति)। शिवसेना (उद्धव बाळासाहेब ठाकरे) पक्ष के मीरा-भायंदर उपजिला प्रमुख श्री विनोद पुंडलिक म्हात्रे के घोड़बंदर स्थित निवास स्थान पर लाडले गणपति बप्पा का उत्सव बड़े उत्साह, श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ संपन्न हुआ। बप्पा के आगमन से पूरे परिसर में भक्तिमय एवं आनंदमय वातावरण बना रहा।

गणपति बप्पा के दर्शन एवं आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु, सामाजिक कार्यकर्ता, पत्रकार, कलाकार एवं मित्रगण उपस्थित रहे। इस अवसर पर प्रसिद्ध सिने कलाकार सुधीर पांडे, मा. सांसद राजन विचारे, प्रभाकर महात्रे, उत्तरशक्ति हिंदी दैनिक के पत्रकार तारकेश्वर पांडे सहित अनेक कलाकार, पत्रकार बंधु, समाजसेवी, ग्रामीण शिक्षक तथा गणमान्य नागरिकों ने बप्पा के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। गणेशोत्सव के दौरान उपस्थित श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। सभी ने विघ्नहर्ता श्री गणेश के चरणों में सुख, शांति, समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य की प्रार्थना की। पूरे आयोजन के दौरान भक्तिमय माहौल बना रहा और श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक गणपति बप्पा का जयघोष किया। इस अवसर पर श्री विनोद पुंडलिक म्हात्रे एवं उनके परिवार की ओर से उपस्थित सभी अतिथियों और भक्तगणों का आत्मीय स्वागत एवं सत्कार किया गया।

बोईसर में नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर आयोजित

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। पालघर जिले के बोईसर शहर अंतर्गत भैया पाड़ा स्थित चिराग विद्यालय रोड, ओसवाल ड्रीम लैंड, में शुक्रवार 25 सितंबर 2026 को भक्तिवेदांत अस्पताल, मीरा रोड की ओर से निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर में कुल 250 मरीजों की आंखों की जांच की गई। जांच के दौरान जरूरतमंद मरीजों को निःशुल्क चश्मे भी उपलब्ध कराये गये।इस मौके पर कुल 102 चश्मों का वितरण किया गया। वहीं जांच में मोतियाबिंद से पीड़ित पाये गये 6 मरीजों को मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए चयनित किया गया। आयोजकों के अनुसार शिविर में मरीजों को आंखों की नियमित जांच, दृष्टि संबंधी समस्याओं तथा मोतियाबिंद के उपचार के संबंध में आवश्यक मार्गदर्शन भी दिया गया। शिविर के आयोजन में जिलेदार वर्मा, गणेश वर्मा, प्रीयेश एवं नरेश मालवीय का सहयोग रहा। आयोजकों ने कहा कि जरूरतमंद लोगों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के उद्देश्य से इस तरह के सामाजिक एवं स्वास्थ्य शिविर आगे भी आयोजित किये जायेंगे।

ज्ञानेश कुमार के खिलाफ सड़कों पर उतरेंगे ठाकरे ब्रदर्स, 4 अक्टूबर को मुंबई में महामोर्चा

मुंबई। राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे ने चुनाव आयोग की ओर से वोटर लिस्ट में किए जा रहे 'स्पेशल इंटेंसिव रिविजन' (खास सघन समीक्षा) के विरोध में 4 अक्टूबर को मुंबई में एक संयुक्त मार्च निकालने का ऐलान किया है। उनकी पार्टियों महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (MNS) और शिवसेना (UBT) ने कहा है कि वे इस मार्च में शामिल होने के लिए दूसरी राजनीतिक पार्टियों को भी न्योता देंगी और पूरे महाराष्ट्र के लोगों से इसमें हिस्सा लेने की अपील करेंगी। एक संयुक्त बयान में दोनों नेताओं ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के नेतृत्व वाले चुनाव आयोग पर आरोप लगाया कि वह पूरे भारत में बीजेपी के नेतृत्व वाले गठबंधन के हित में काम कर रहा है। ठाकरे भाइयों ने आरोप लगाया कि SIR प्रक्रिया का इस्तेमाल वोटरों को धोखा देने के लिए किया गया था और कहा कि यह मार्च उस चीज के विरोध में होगा जिसे उन्होंने वोटरों के साथ घोर धोखा बताया। बयान में कहा गया है देश में लोकतंत्र और इसके संविधान को बचाने के लिए एकजुट हों। मार्च का समय और स्थान बाद में बताया जाएगा।

यह घोषणा उन रिपोर्टों के बाद की गई है जिनमें कहा गया है कि चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने 10 महीनों में कम से कम 14 बार चुनाव आयोग के फैसलों पर आपत्ति जताई थी। खबरों के मुताबिक, इन मुद्दों में वोटर रजिस्ट्रेशन में बदलाव, नामों को हटाना और फिर से जोड़ना, और वोटर लिस्ट के डेटा पर कंट्रोल जैसे मामले शामिल थे। चुनाव आयोग ने इस बात को गलत बताया है कि इन मतभेदों की वजह से उसके फैसले अमान्य हो गए। आयोग का कहना है कि अलग-अलग राय होना स्वाभाविक है और SIR से जुड़े आदेशों समेत सभी अंतिम फैसलों को सर्वसम्मति से मंजूरी दी गई थी। फॉर्म 6 को लेकर हुए विवाद पर आयोग ने कहा कि कानूनी फॉर्म में कोई बदलाव नहीं किया गया है और रक्फ़के आदेशों के तहत एक अतिरिक्त घोषणा की जरूरत थी।

उद्धव ठाकरे ने 23 सितंबर को कुमार को हटाने और उन पर मुकदमा चलाने की मांग की और उन पर लोकतंत्र को कमजोर करने का आरोप लगाया। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा ज्ञानेश कुमार को तुरंत नौकरी से निकाल देना चाहिए और जेल भेज देना चाहिए क्योंकि उन्होंने लोकतंत्र की हत्या की है और संविधान का अपमान किया है।

उत्तर मध्य मुंबई युवक कांग्रेस ने निखिल रूपारेल के नेतृत्व में की गणेश भक्तों की सेवा

मुंबई (उत्तरशक्ति)। गणपति विसर्जन के दौरान उत्तर मध्य युवक कांग्रेस की टीम ने जिला अध्यक्ष निखिल रूपारेल के नेतृत्व में , सांताक्रूज पश्चिम में लैंडमार्क शोरूम के पहले वहां से गुजर रहे गणेश भक्तों को नाश्ता और पीने का पानी उपलब्ध कराया। उनकी इस सेवा भावना का गणेश भक्तों के अलावा स्थानीय नागरिकों ने भी सराहना की। इस अवसर पर निखिल रूपारेल के अलावा प्रीति चोकसी, शेख मुस्तकीम, चंद्रप्रसाद शर्मा, विकास जैसवार, फुजैल शेख, जुनैद अंसारी, समीर शेख, नाजिम वारसी अरविंद साहनी समेत अनेक पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। निखिल रूपारेल ने कहा कि हम सब अपने नेता राहुल गांधी के विचारों और आदर्शों पर चलते हुए सभी धर्म के लोग मिलकर बप्पा के सेवकों की सेवा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हिंदुस्तान की यही खुशबू है , जिसका सारा दुनिया लोहा मानती है। उन्होंने कहा कि विविधता में एकता ही हमारी सबसे बड़ी ताकत है।

मानखुर्द से अपहृत 2 वर्षीय बालक 40 घंटे बाद माता-पिता की गोद में

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मानखुर्द के मार्केट रोड परिसर से अपहृत हुए दो वर्षीय बालक को पुलिस ने करीब 40 घंटे की अथक कोशिश के बाद सकुशल बरामद कर उसके माता-पिता के हवाले कर दिया। इस मामले में पुलिस ने बालक के अपहरण की आरोपी महिला मुस्कान भोलाकुमार साह और उसकी मदद करने वाले उसके पति भोलाकुमार जग्गू सहा, निवासी महाराष्ट्र नगर, मानखुर्द, को गिरफ्तार किया है।

जानकारी के अनुसार, 23 सितंबर की रात मानखुर्द के मार्केट रोड परिसर में बालक अपने परिवार के साथ मौजूद था। इसी दौरान वह अचानक लापता हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों ने मानखुर्द पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामला दर्ज कर बालक की तलाश के लिए मानखुर्द, देवनार, आरसीएफ और ट्रॉम्बे पुलिस थानों की करीब आठ टीमें गठित कीं।

पुलिस टीमों ने विभिन्न पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच शुरू की। घटनास्थल और आसपास के क्षेत्रों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई। जांच के दौरान एक महिला बालक को अपने साथ ले जाती हुई दिखाई दी। इसके बाद पुलिस ने संदिग्ध महिला की गतिविधियों और संभावित मार्गों की जानकारी जुटाते हुए तकनीकी जानकारी का विश्लेषण किया तथा मानव संसाधन के माध्यम से भी विभिन्न स्थानों पर तलाश अभियान चलाया।

बालक को शहर अथवा शहर से बाहर ले जाए जाने की आशंका को देखते हुए पुलिस ने जांच का दायरा बढ़ाया। रेलवे स्टेशनों सहित विभिन्न संभावित स्थानों पर भी तलाश की गई। लगातार प्रयासों के बाद पुलिस ने बालक को सकुशल बरामद कर लिया और अपहरण के मामले में मुस्कान भोलाकुमार साह तथा उसके पति भोलाकुमार जग्गू सहा को गिरफ्तार किया।

दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया। इसके बाद पुलिस ने बरामद किए गए चिमुकले बालक को उसके माता-पिता के सुपुर्द कर दिया। बच्चे के सकुशल वापस मिलने से परिजनों ने राहत की सांस ली।

यह कार्रवाई पूर्व प्रादेशिक विभाग के अपर पुलिस आयुक्त धनंजय कुलकर्णी, पूर्व परिमंडल-1 के पुलिस उपायुक्त समीर शेख के मार्गदर्शन में, सहायक पुलिस आयुक्त प्रमोद कोकाटे तथा वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक बिलाल शेख के निदेर्शानुसार की गई।

गणेश विसर्जन यात्रा में युवक की बेरहमी से पिटाई, मारपीट का वीडियो वायरल

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। शहर में गणेश विसर्जन यात्रा शांतिपूर्ण माहौल में चल रही थी, इसी दौरान छत्रपति शिवाजी महाराज चौक परिसर में एक युवक के साथ कथित रूप से मारपीट की घटना सामने आई है। मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। मिली जानकारी के अनुसार, अजय नगर मित्र मंडल की गणेश विसर्जन यात्रा छत्रपति शिवाजी महाराज चौक परिसर में पहुंची थी। इसी दौरान मंडल के कार्यकर्ता ऋषिकेश जितेंद्र वगल (30) को कथित तौर पर कुछ लोगों ने घेर लिया और उसके साथ मारपीट की। घटना में ऋषिकेश के नाक और सिर पर चोटें आई हैं। घटना के बाद घायल ऋषिकेश को तत्काल इंदिरा गांधी मेमोरियल (आईजीएम) अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे आगे के उपचार के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस बीच घटना का वीडियो सामने आया है, जिसमें कई लोग एक युवक के साथ मारपीट करते हुए दिखाई दे रहे हैं। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने घटना को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू की है। इस संबंध में पुलिस की ओर से अभी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। घटना में कितने लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है, इसकी जानकारी भी पुलिस की ओर से उपलब्ध नहीं हो सकी है। निजामपुर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

डोंबिवली MIDC की 542 कंपनियों को नोटिस, 24 घंटे में बढ़े हुए निर्माण हटाने का आदेश

- तोड़क कार्रवाई की चेतावनी से उद्यमियों में
- चिंताकामा ने नोटिस वापस लेने और कार्रवाई पर रोक लगाने की मांग की

डोंबिवली (उत्तरशक्ति)। डोंबिवली MIDC क्षेत्र की 542 कंपनियों को MIDC प्रशासन ने सामासिक अंतर (Setback/ CommonMargin) की जगह पर किए गए बढ़े हुए निर्माण को हटाने के लिए नोटिस जारी किए हैं। नोटिस में संबंधित कंपनियों को 24 घंटे के भीतर इन निमार्णों को स्वयं हटाने के निर्देश दिए गए हैं। निर्धारित अवधि में निर्माण नहीं हटाए जाने पर टक्क्ष प्रशासन की ओर से कार्रवाई कर इन्हें हटाने की चेतावनी दी गई है। इस कार्रवाई की संभावना से डोंबिवली के उद्यमियों में चिंता का माहौल है।

दरअसल, बढ़ती उत्पादन क्षमता और औद्योगिक गतिविधियों की जरूरतों को देखते हुए डोंबिवली MIDC की कई कंपनियों ने अपनी जगह के सामासिक अंतर में विभिन्न सुविधाओं का निर्माण किया है। इनमें कच्चे माल और तैयार माल के लिए जगह, शीतकरण (कूलिंग) व्यवस्था, सांडपानी प्रक्रिया केंद्र, सुरक्षा चौकी तथा अन्य आवश्यक सुविधाएं शामिल हैं। उद्यमियों का कहना है कि इनमें से कई सुविधाएं कंपनी की उत्पादन प्रक्रिया और सुरक्षा व्यवस्था के लिए आवश्यक हैं।

कामा ने सरकार से हस्तक्षेप की मांग की: कल्याण अंबरनाथ मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (कामा) ने MIDC प्रशासन द्वारा जारी नोटिसों को तत्काल वापस लेने और किसी भी प्रकार की तोड़क कार्रवाई नहीं करने की मांग शासन से की है। संगठन का कहना है कि उद्यमियों को अचानक निर्माण हटाने के लिए मजबूर करने से औद्योगिक कामकाज प्रभावित हो सकता है।

उद्यमियों के अनुसार, डोंबिवली MIDC पहले से ही कई बुनियादी समस्याओं से जूझ रहा है। क्षेत्र में खराब सड़कें, पानी की समस्या, बार-बार बिजली आपूर्ति बाधित होना, बारिश के दौरान जलजमाव, अग्निसुरक्षा से जुड़ी चुनौतियां और बढ़ता संपत्ति कर जैसे मुद्दे लगातार सामने आते रहे हैं। **उत्पादन और रोजगार पर असर की आशंका:** उद्यमियों का कहना है कि यदि अचानक तोड़क कार्रवाई की जाती है, तो कई कंपनियों की उत्पादन प्रक्रिया प्रभावित हो सकती है। इससे न केवल कंपनियों के कारोबार पर असर पड़ने की आशंका है, बल्कि कर्मचारियों और रोजगार पर भी इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। इसी वजह से उद्यमियों की मांग है कि MIDC प्रशासन तत्काल तोड़क कार्रवाई पर रोक लगाए और नोटिसों के संबंध में उद्योग प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर व्यावहारिक समाधान निकाला जाए। उद्यमियों का कहना है कि औद्योगिक क्षेत्र में कार्रवाई करने से पहले कंपनियों की वास्तविक जरूरतों, सुरक्षा मानकों और उत्पादन प्रक्रिया को ध्यान में रखते हुए नीति तय की जानी चाहिए। फिलहाल 542 कंपनियों को जारी नोटिस के बाद डोंबिवली MIDC में इस मुद्दे को लेकर हलचल बढ़ गई है।

भिवंडी में गणेश विसर्जन उत्साह के साथ संपन्न एकात्मता के राजा की विसर्जन शोभायात्रा में पारंपरिक कलाकारों ने बांधा समां

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। शहर में गणेशोत्सव का समापन गणेश विसर्जन भव्य शोभायात्रा के साथ उत्साहपूर्ण एवं शांतिपूर्ण माहौल में हुआ। धामणकर नाका मित्र मंडल के ह्यएकात्मता के राजाह्न की विसर्जन शोभायात्रा विशेष आकर्षण का केंद्र रही। पारंपरिक ढोल-ताशों की गूंज के बीच निकली इस शोभायात्रा में विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने श्रद्धालुओं का ध्यान आकर्षित किया। दोपहर से शुरू हुई विसर्जन शोभायात्रा में दुर्गा वाहिनी की युवतियों के पथक ने लेझिम के साथ तलवारबाजी और लाठीबाजी के रोमांचक प्रदर्शन किए। वहीं, दक्षिण कर्नाटक से आए तुलु दशावतार के पारंपरिक कलाकारों ने अपनी नृत्य एवं लोककला की प्रस्तुति से माहौल में रंग भर दिया। कलाकारों ने जगह-जगह लोगों को भी अपने पारंपरिक नृत्य में शामिल किया। उधर, पद्मानगर परिसर से भी बड़ी संख्या में गणेश प्रतिमाएं विसर्जन के लिए रवाना हुईं। शहर के विभिन्न मार्गों पर गणेश भक्तों में खासा उत्साह देखने को मिला। अबालवृद्ध श्रद्धालु गुलाल उड़ाते हुए और डीजे की धुन पर थिरकते नजर आए। कई स्थानों पर भक्तिमय वातावरण के साथ गणपति बप्पा मोरया के जयघोष से पूरा शहर गूंज उठा। शहर के विभिन्न घाटों पर देर रात तक गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन शांतिपूर्ण एवं सुचारू रूप से चलता रहा। प्रशासन एवं पुलिस की व्यवस्था के बीच श्रद्धालुओं ने गणपति बप्पा को भावपूर्ण विदाई दी। हालांकि, शहर में कुल कितनी गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन हुआ, इसकी अंतिम संख्या देर शाम तक उपलब्ध नहीं हो सकी थी।

यादव नगर में गाजे-बाजे के साथ गणपति बप्पा को दी गई विदाई

युवा सर्व सनातन चैरिटेबल ट्रस्ट के सार्वजनिक गणेशोत्सव का 11वें दिन हुआ समापन

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिले के बोईसर शहर पूर्व अंतर्गत यादव नगर में युवा सर्व सनातन चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से आयोजित सार्वजनिक श्रीगणेशोत्सव का 11वें दिन शुक्रवार 25 सितंबर 2026 को भक्तिभाव और हर्षोल्लास के साथ समापन हुआ। इस अवसर पर पूजा-पाठ, आरती, कथा एवं भजन के बाद गाजे-बाजे के साथ गणपति बप्पा को भावपूर्ण विदाई दी गई। पटवा निवास पर आयोजित धार्मिक कार्यक्रम में पंडित कथाकार कनक महाराज ने कथा एवं भजनों के माध्यम से श्रद्धालुओं को भक्तिरस में सराबोर किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ समाजसेवक पप्पू यादव एवं सरजू पटवा ने नारियल फोड़कर किया। इस दौरान श्रद्धालुओं ने भक्ति गीतों पर नृत्य करते हुए जय श्रीराम और जय श्रीगणेश के जयकारे लगाये। बड़ी संख्या में श्रद्धालु भगवा ध्वज और भगवा टोपी के साथ विसर्जन यात्रा में शामिल हुए। इस अवसर पर प्रदीप झा, प्रदीप यादव, रणविजय सिंह, शिवम पटवा, भैया लाल यादव, रमोद पटवा, संतोष प्रजापति, हरिश्चंद्र शर्मा, सुरेंद्र यादव, चंदबली यादव, विनोद मिश्रा, विनोद यादव, अयोध्या शर्मा, मनीराम सिंह, मुन्ना सिंह, कमलेश यादव, सुमित पटवा, नारायण पटवा, आरूण चव्हाण, डॉ. राम अचल सिंह, सचिन पाटिल, गिरधारी सिंह पुरोहित, तुलसी यादव, छंगा सिंह सहित महिला मंडल, बाल सेना एवं धर्म सेना के सदस्यों ने विशेष सहयोग किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में सहयोग देने वाले पत्रकार बंधुओं, पुलिस प्रशासन तथा तन-मन-धन से सहयोग करने वाले सभी श्रद्धालुओं एवं कार्यकताओं का युवा सर्व सनातन चैरिटेबल ट्रस्ट के संस्थापक पटवा जयकुमार ने आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर ट्रस्ट के संस्थापक पटवा जयकुमार ने कहा कि धार्मिक आयोजनों में धार्मिक एवं भक्तिमय गीतों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए, ताकि नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति, संस्कार और धार्मिक परंपराओं से जोड़ा जा सके।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालयः
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाप हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजुरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला, मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

तरना-गिलट बाजार मार्ग पर हादसे रोकने के लिए एक्शन में पुलिस, डीसीपी वरुणा ने किया स्थलीय निरीक्षण

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के तरना फ्लाईओवर से गिलट बाजार मुख्य मार्ग पर दो दिन पूर्व हुई सड़क दुर्घटना में हुई मौत के बाद पुलिस कमिश्नरेट एक्शन में आ गया है। पुलिस आयुक्त के निर्देशन पर वरुणा जोन के डीसीपी राजेश कुमार पाण्डेय ने उक्त मार्ग का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान डीसीपी के साथ एसीपी कैण्ट प्रज्ञा पाठक, यातायात निरीक्षक अनुराग त्यागी, थाना शिवपुर प्रभारी, चौकी प्रभारी गिलट बाजार, चौकी प्रभारी तरना और लोक निर्माण विभाग के अधिकारी मौजूद रहे। डीसीपी ने हादसे वाले संवेदनशील कटों को चिन्हित कर 4 बड़े सुरक्षा उपाय करने के निर्देश दिए हैं सभी कट वाले स्थानों पर जल्द ही रंबल स्ट्रिप्स लगाई जाएंगी ताकि चालक गति कम करें। रात्रि में विजिबिलिटी के लिए रंबल स्ट्रिप्स के साथ कैटआई लगाई जाएगी।

डिवाइडर/बैरियर के कट पर 'दुर्घटना बाहुल्य क्षेत्र' और 'गति कम करें' के चेतावनी बोर्ड लगेंगे। जरूरत के अनुसार अन्य रोड सेफ्टी साइन भी लगाए जाएंगे।

पुलिस का कहना है कि इन उपायों से वाहन चालकों को समय रहते चेतावनी मिलेगी और इस मार्ग पर हादसों की संभावना को न्यूनतम किया जा सकेगा।

आंधी में नौपेड़वा बाजार में गिरा विशाल नीम का पेड़ और सोलर खंभा, टला बड़ा हादसा

नौपेड़वा, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। अचानक बदले मौसम के बीच शनिवार को तेज आंधी और बारिश ने जनजीवन प्रभावित कर दिया। बक्शा विकासखंड के नौपेड़वा बाजार और मई मोड़ के पास तेज हवा के झोंकों से एक विशाल नीम का पेड़ और सोलर ऊर्जा का खंभा गिर गया। हालांकि, गनीमत रही कि दोनों घटनाओं में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई।

नौपेड़वा बाजार में पारस मेडिकल स्टोर के पास तेज आंधी के कारण विशाल नीम का पेड़ जड़ समेत गिर पड़ा। वहीं, मई मोड़ के पास सोलर ऊर्जा का खंभा भी धराशायी हो गया। घटना के समय आसपास लोगों की मौजूदगी नहीं होने के कारण बड़ा हादसा होने से टल गया। आंधी के चलते पेड़ और सोलर खंभा गिरने से कुछ समय के लिए आसपास अफरा-तफरी का माहौल रहा। स्थानीय लोगों ने संबंधित विभाग से क्षतिग्रस्त सोलर खंभे और पेड़ को हटाकर आवागमन सुचारु कराने की मांग की है।

फार्मासिस्ट स्वास्थ्य व्यवस्था का महत्वपूर्ण अंग: शशांक सिंह रानू

लायंस क्लब क्षितिज जौनपुर ने शुक्रवार को विश्व फार्मासिस्ट दिवस मनाया

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। लायंस क्लब जौनपुर क्षितिज ने शुक्रवार को विश्व फार्मासिस्ट दिवस उत्साह और गरिमा के साथ कौशल त्रिपाठी की अध्यक्षता में मनायागया। संस्थापक अध्यक्ष शशांक सिंह रानू ने कहा कि फार्मासिस्ट स्वास्थ्य व्यवस्था का महत्वपूर्ण अंग हैं। उन्होंने दवाओं के तर्कसंगत एवं उचित उपयोग पर विशेष जोर देते हुए कहा कि मरीजों को दवाओं की सही मात्रा, सही समय और सही तरीके से सेवन के संबंध में उचित परामर्श देना फार्मासिस्ट की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। पूर्व अध्यक्ष दिलीप सिंह और विष्णु सहाय ने संयुक्त रूप से कहा की फार्मासिस्टो को अपने ज्ञान और व्यावसायिक कौशल का उपयोग समाज के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए करना चाहिए।

क्लब के अध्यक्ष और फार्मासिस्ट कौशल त्रिपाठी ने कहा की एंटीबायोटिक प्रतिरोध के बढ़ते खतरे से बचने के लिए एंटीबायोटिक दवाओं का अनावश्यक एवं गलत उपयोग भविष्य में गंभीर स्वास्थ्य चुनौती बन सकता है।

सम्मानित होने वाले फार्मासिस्ट अरविन्द सिंह, आशुतोष पाठक, विनय सिंह, उपेंद्र सिंह ने संयुक्त रूप से कहा कि बदलती स्वास्थ्य आवश्यकताओं के अनुरूप फार्मासिस्टों का ज्ञान,कौशल और व्यावसायिक क्षमता के स्तर पर सशक्त होना आवश्यक है। इसके बाद सभी लोगो ने अंगवस्त्रम,मोती की माला, स्मृति चिन्ह आदि उपहार देकर फार्मासिस्टो का सम्मान किया कार्यक्रम का संचालन सचिव हफीज शाह और धन्यवाद ज्ञापन पूर्व अध्यक्ष प्रदीप सिंह ने किया इस मौके पर ऋतू त्रिपाठी, रोशनी, आघाद कोषाध्यक्ष डॉ. चंदन नाथ गुप्ता आदि लोग उपस्थित रहे।

नए पाठ्यक्रम, स्मार्ट क्लास और कौशल प्रशिक्षण पर कुलपति ने संकायाध्यक्षों एवं विभागाध्यक्षों के साथ की बैठक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के कुलपति सभागार में शनिवार को कुलपति प्रो.आर.के. सिंह की अध्यक्षता में संकायाध्यक्षों एवं विभागाध्यक्षों की बैठक की गई। बैठक में विश्वविद्यालय में शैक्षणिक गुणवत्ता को और प्रभावी बनाने, विद्यार्थियों को रोजगारपरक एवं कौशल आधारित शिक्षा उपलब्ध कराने तथा विभागों को आधुनिक शैक्षणिक जरूरतों के अनुरूप विकसित करने सहित विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।

कुलपति प्रो. सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय में नए एवं रोजगारपरक पाठ्यक्रम शुरू करने की दिशा में विभाग ठोस प्रस्ताव तैयार करें। नए पाठ्यक्रमों में विद्यार्थियों की संभावित मांग, रोजगार की संभावनाओं तथा समाज की आवश्यकता को ध्यान में रखा जाए। सभी संबंधित प्रस्ताव निर्धारित समय में विश्वविद्यालय को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए।

बैठक में खेलकूद गतिविधियों को बढ़ावा देने पर भी विशेष जोर दिया गया। विभागों को विद्यार्थियों की प्रतिभा को पहचानने तथा उन्हें खेल

नए प्रस्ताव 30 सितंबर तक भेजने के निर्देश

एवं अन्य सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों से जोड़ने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

कुलपति ने कहा कि कक्षा शिक्षण को विद्यार्थियों के लिए अधिक रोचक और संवादपरक बनाया जाए। शिक्षक कक्षा की शुरूआत सीधे विषय की औपचारिक चर्चा से करने के बजाय विद्यार्थियों की रूचि जगाने वाली घटनाओं, उदाहरणों, प्रश्नों और समसामयिक संदर्भों से करें, जिससे कक्षा में सहभागिता बढ़े।

बैठक में स्मार्ट क्लासरूम को अधिक प्रभावी बनाने तथा उपलब्ध

तकनीकी संसाधनों का शिक्षण में बेहतर उपयोग करने पर भी चर्चा हुई। विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों के कौशल विकास और व्यावहारिक प्रशिक्षण पर भी विशेष चर्चा हुई। बाहर के विशेषज्ञों के माध्यम से साइबर सिक्योरिटी सहित विभिन्न समसामयिक विषयों पर कार्यशालाएं आयोजित करने की योजना पर विचार किया गया। बैठक में एनआईआरएफ सहित विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय स्तर की शैक्षणिक पहचान और रैंकिंग से जुड़े प्रयासों को और व्यवस्थित करने पर भी चर्चा हुई। कुलपति ने पाठ्यक्रमों को नवीनतम बनाने पर विशेष बल देते हुए कहा कि विद्यार्थियों को केवल पुराने संदर्भों तक सीमित नहीं रखा जाना चाहिए। कुलपति ने विश्वविद्यालय परिसर में कार्यरत कर्मचारियों के साथ भी सम्मानजनक एवं मानवीय व्यवहार की आवश्यकता पर बल दिया। सफाईकर्मियों सहित सभी कर्मचारियों के साथ सम्मान और आत्मीयता से व्यवहार किया जाए तथा परिसर की स्वच्छता और बेहतर वातावरण बनाए रखने में सभी विभाग सहयोग करें।

कुलपति ने निर्देश दिया कि विभाग अपने प्रस्तावों को प्राथमिकता के आधार पर तैयार कर निर्धारित समय सीमा में विश्वविद्यालय प्रशासन को उपलब्ध कराएं, ताकि आगामी शैक्षणिक सत्र में आवश्यक योजनाओं को प्रभावी रूप से लागू किया जा सके।

बैठक में कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह, डीएसडब्लयू प्रो. प्रमोद यादव प्रो. मनोज मिश्र, प्रो. अविनाश पाथर्डीकर, प्रो. प्रदीप कुमार, प्रो. मिथिलेश कुमार सिंह, प्रो. सौरभ पाल, प्रो. विनोद गुप्ता, समेत समस्त विभागाध्यक्ष उपस्थित रहे।

2217 आंगनबाड़ी केंद्रों पर हुई हेल्दी बेबी प्रतियोगिता, 6651 बच्चे पुरस्कृत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत 25 सितंबर 2026 को जनपद के 2217 आंगनबाड़ी केंद्रों पर हेल्दी बेबी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 27,110 बच्चों ने प्रतिभाग किया। प्रत्येक केंद्र पर प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले कुल 6651 बच्चों को पुरस्कृत किया गया।

पुरस्कार के रूप में बच्चों को लंच बॉक्स, बैग, वाटर बोतल, पेंसिल, किताब आदि सामग्री वितरित की गई। प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों के प्रमाण पत्र पोर्टल से जनरेट होने के बाद वितरित किए जाएंगे।

प्रतियोगिता में बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण, स्वच्छता एवं शारीरिक विकास से संबंधित विभिन्न मानकों के आधार पर उनका चयन किया गया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों की माताओं को भी सम्मानित किया गया तथा उन्हें बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य एवं पोषण के संबंध में आवश्यक

जानकारी दी गई।

आंगनबाड़ी कार्यकताओं ने माताओं को संतुलित एवं पौष्टिक आहार, व्यक्तिगत स्वच्छता, नियमित स्वास्थ्य जांच, टीकाकरण, साफ-सफाई तथा बच्चों के शारीरिक एवं मानसिक विकास के बारे में जागरूक किया। साथ ही बच्चों के वजन एवं लंबाई की नियमित निगरानी कराने तथा किसी प्रकार की कमी या असामान्यता दिखाई देने पर समय से स्वास्थ्य सेवाओं से संपर्क करने की सलाह दी गई। कार्यक्रम का उद्देश्य अभिभावकों को बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण एवं स्वच्छता के प्रति जागरूक करना तथा स्वस्थ एवं सुपोषित बच्चों को प्रोत्साहित करना रहा।

कनेक्शन के स्थायी विच्छेद के नाम पर 8 हजार रुपये रिश्वत लेते विद्युत विभाग का कार्यकारी सहायक गिरफ्तार

भदोही (उत्तरशक्ति)। भ्रष्टाचार निवारण संगठन मीरजापुर मंडल की टीम ने शुक्रवार, 25 सितंबर 2026 को विद्युत विभाग के कार्यकारी सहायक प्रशांत कुमार सोनी को 8 हजार रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया। आरोप है कि वह बिजली कनेक्शन के स्थायी विच्छेद के कार्य के लिए शिकायतकर्ता से रिश्वत की मांग कर रहा था।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, प्रशांत कुमार सोनी अधिशासी अभियंता, विद्युत वितरण खंड प्रथम, भदोही के कार्यालय में कार्यरत था और करीब पांच वर्षों से इसी कार्यालय में तैनात बताया जा रहा है। वह बलिया जिले के रसड़ा क्षेत्र का निवासी है।

भदोही नगर निवासी विकास कुमार गुप्ता ने भ्रष्टाचार निवारण संगठन में शिकायत की थी कि बिजली कनेक्शन के स्थायी विच्छेद से संबंधित कार्य के लिए प्रशांत कुमार सोनी उनसे 8 हजार रुपये की मांग कर रहा है। शिकायत मिलने के बाद टीम ने मामले की जांच की, जिसमें आरोप सही पाए जाने के बाद शुक्रवार को जाल बिछाया गया। दोपहर करीब एक बजे शिकायतकर्ता द्वारा आरोपी को 8 हजार रुपये दिए जाने के दौरान भ्रष्टाचार निवारण संगठन की टीम ने उसे रंगे हाथ पकड़ लिया। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को भदोही कोतवाली ले जाया गया, जहां उसके खिलाफ नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

भ्रष्टाचार निवारण संगठन के निरीक्षक अशोक कुमार सिंह ने बताया कि 23 सितंबर को शिकायत प्राप्त हुई थी। जांच में आरोप सही पाए जाने के बाद टीम ने कार्रवाई की। उन्होंने बताया कि शिकायतकर्ता का बिजली बिल माफ था और उसके बिजली कनेक्शन को स्थायी रूप से विच्छेद करने के लिए आरोपी द्वारा रुपये की मांग की जा रही थी।

कार्रवाई करने वाली टीम में निरीक्षक अशोक कुमार सिंह, पति राम यादव, भीमशंकर मिश्रा, मुख्य आरक्षी भूपेंद्र सिंह यादव, विशाल उपाध्याय, सुबीर कुमार, ओमकार यादव, कौशल राय, आरक्षी सूरज कुमार गुप्ता, पियुष कुमार सिंह, सर्वेश तिवारी, प्रशांत सिंह, आलोक मिश्रा और नंदलाल शामिल रहे।

मछलीशहर में विकास की खुली पोल, सड़कों पर उफन रहा है गंदा पानी

रोड तालाब में तब्दील, घुटनों तक भरा पानी, संक्रामक बीमारियों का बढ़ता खतरा

अरशद अली

मछलीशहर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मछलीशहर कस्बा और तहसील परिसर को जोड़ने वाली मुख्य सड़क इस समय जलभराव की गंभीर समस्या से जूझ रही है। पिछले 72 घंटों से रुक-रुक कर हो रही मूसलाधार बारिश ने नगर पंचायत के दावों की पोल खोल कर रख दी है। तहसील रोड पर घुटनों तक पानी भर जाने के कारण व्यापरियों, राहगीरों, वकीलों और फरियादियों का निकलना दूभर हो गया है।

मछलीशहर के सबसे बदतर हालात तहसील वाली रोड पर देखने को मिल रहे हैं, जहां जल निकासी की लचर व्यवस्था के कारण पूरी सड़क तालाब में तब्दील हो चुकी है। सड़क पर भरा पानी, दोनों तरफ नालियों में तैरता हुआ कचरा व्यापरियों के दूकानों तक पहुंच रही है। स्थानीय निवासी, व्यापारियों और दुकानदारों का आरोप है कि नगर पंचायत द्वारा नालियों की समय पर सफाई नहीं की गई, जिसके चलते नालियां पूरी तरह से ब्लॉक और चोक हो चुकी हैं। अब आलम यह है कि नालियों का गंदा और बदबूदार पानी दुकानों के भीतर घुस रहा है।

व्यापारियों ने स्थानीय प्रशासन,नगर पंचायत अध्यक्ष और अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। उनका कहना है कि हर साल टैक्स देने के बावजूद उन्हें इस नारकीय स्थिति का सामना करना पड़ता है। लगातार जलभराव से न सिर्फ कारोबार प्रभावित हो रहा है,बल्कि नालियां चोक, सड़कों पर उफन रहा है गंदा पानी। मछलीशहर प्रशासन पर व्यापारियों ने उठाए सवाल ,इलाके में संक्रामक बीमारियों के फैलने का खतरा भी मंडराने लगा है। अब देखना यह होगा कि कुंभकर्णी नींद में सोया हुआ प्रशासन कब जागता है और इन निवासियों और व्यापारियों को इस मुसीबत से कब राहत मिलती है।

चलती क्रेटा कार पर गिरा विशाल पीपल का पेड़

आजमगढ़(उत्तरशक्ति)। जनपद के बिलरियागंज थाना क्षेत्र अंतर्गत आजमगढ़-बिलरियागंज मुख्य मार्ग पर शनिवार सुबह तेज आंधी और बारिश के बीच एक भीषण हादसा होते-होते टल गया। श्रीनगर (सियरहां) गांव के पास सड़क से गुजर रही एक क्रेटा कार पर अचानक विशाल पीपल का पेड़ गिर गया। पेड़ के वजन से कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई, हालांकि गनीमत रही कि उसमें सवार तीनों लोग सुरक्षित बच प्राप्त जानकारी के अनुसार, बिलरियागंज थाना क्षेत्र के जयराजपूर निवासी वाहिद खान (पुत्र मोहम्मद अजमल) अपनी माता रुखसाना बानो और 10 वर्षीय बेटे जोहैर खान को लेकर आजमगढ़ स्थित डॉ. अब्दुल्ला के अस्पताल जा रहे थे। जोहैर के ऑपरेशन के सिलसिले में पूरा परिवार निकला था, तभी रास्ते में यह हादसा हो गया।

पेड़ गिरते ही जोरदार आवाज के साथ चीख-पुकार मच गई। आसपास मौजूद स्थानीय ग्रामीण बिना देर किए मौके पर पहुंचे और भारी मशक्कत के बाद क्षतिग्रस्त कार के भीतर फंसे तीनों लोगों को सकुशल बाहर निकाला।

घटना की सूचना मिलते ही बिलरियागंज थाने से एसआई विनोद शंकर, आरक्षी रामबाबू और राकेश वर्मा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। भारी पेड़ के सड़क पर गिरने के कारण मार्ग पर दोनों ओर लंबा जाम लग गया और यातायात पूरी तरह ठप हो गया।प्रशासन द्वारा जेसीबी की मदद से पेड़ को हटाकर रास्ता साफ कराया जा रहा है। एहतियातन बिजली विभाग की टीम भी मौके पर मौजूद है।

फसल नुकसान की सूचना 72 घंटे में दें, टोल फ्री नंबर 14447 पर करें शिकायत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। भारी बारिश और अर्नब चक्रवात से बीमित किसानों की फसलों को हुए नुकसान की सूचना देने के लिए कृषि विभाग ने किसानों को विभिन्न माध्यम उपलब्ध कराए हैं। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना एवं पुनर्गठित मौसम आधारित फसल बीमा योजना के

तहत किसान 72 घंटे के भीतर फसल क्षति की सूचना दर्ज करा सकते हैं। इसके लिए किसान टोल फ्री नंबर 14447 पर संपर्क कर सकते हैं। इसके अलावा क्रॉप इंश्योरेंस एप तथा व्हाट्सएप चैटबॉट नंबर 7065514447 के माध्यम से भी फसल नुकसान की जानकारी साझा की जा सकती है। कृषि विभाग के अनुसार योजनाओं से संबंधित आधिकारिक जानकारी के लिए किसान pmfby.gov.in पोर्टल पर भी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। फसल बीमा से जुड़ी किसी समस्या के समाधान के लिए किसान जनपद के उप कृषि निदेशक कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं। साथ ही जनपद में कार्यरत एसबीआई जनरल इंश्योरेंस कंपनी के प्रतिनिधि से भी सहायता ली जा सकती है। विभाग ने किसानों से अपील की है कि फसल नुकसान होने की स्थिति में निर्धारित समयसीमा के भीतर सूचना दर्ज कराएं, ताकि बीमा योजना के तहत आवश्यक प्रक्रिया समय से पूरी की जा सके।

समूह के सहयोग से अंकिता ने शुरू किया सिलाई केंद्र, बनीं आत्मनिर्भर

स्वयं सहायता समूह से मिला ऋण बना आर्थिक मजबूती का आधार, परिवार को भी दे रहीं सहयोग

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। महाराजगंज विकासखंड के एक गांव की रहने वाली अंकिता त्रिपाठी स्वयं सहायता समूह से जुड़कर आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। समूह से प्राप्त ऋण और सहयोग के माध्यम से उन्होंने अपना सिलाई केंद्र शुरू किया, जिससे अब वह स्वयं का कारोबार संचालित कर आय अर्जित कर रही हैं।

अंकिता बताती हैं कि स्वयं सहायता समूह से जुड़ने से पहले उनके लिए अपना कारोबार शुरू करना आसान नहीं था। समूह से मिली आर्थिक सहायता और मार्गदर्शन ने उन्हें आगे बढ़ने का हौसला दिया। समूह से ऋण लेकर उन्होंने सिलाई केंद्र की शुरूआत की और अपने हुनर को व्यवसाय का रूप दिया।

उन्होंने कहा, 'समूह ने मुझे बहुत संभाला और आगे बढ़ने का अवसर

दिया। समूह के माध्यम से मुझे अपना कारोबार शुरू करने का मौका मिला, जिससे मेरी एक नई पहचान बनी है। आज मैं अपना काम खुद कर रही हूं और इससे मुझे बहुत खुशी मिलती है।'

अंकिता के अनुसार, स्वयं सहायता समूह ने उन्हें आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के साथ ही आत्मविश्वास बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अब वह अपने हुनर के माध्यम से आय अर्जित कर रही हैं और परिवार की आर्थिक जरूरतों में भी सहयोग कर रही हैं।

अंकिता का कहना है कि स्वयं सहायता समूह महिलाओं को अपने पैरों पर खड़े होने और आगे बढ़ने का अवसर प्रदान कर रहे हैं। समूह के सहयोग से उनके जैसी अनेक महिलाएं अपने हुनर को व्यवसाय में बदलकर आत्मनिर्भरता की ओर कदम बढ़ा रही हैं।

कागजों में अटका एस्टीमेट, सुंदरनगर में सड़क पर चलना मुहाल

IGRS पर बोर्ड बैठक में प्रस्ताव का आश्वासन, दो महीने बाद भी निर्माण शुरू नहीं; वार्ड नंबर 7 के लोगों में आक्रोश

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर पालिका परिषद जौनपुर के वार्ड नंबर 7 वाजिदपुर दक्षिणी स्थित सुंदरनगर कॉलोनी में सड़क की बदहाली से स्थानीय लोग परेशान हैं। राजकुमार के घर से डॉ. उदयभान यादव के घर तक जाने वाला संपर्क मार्ग गड्ढों और कच्ची मिट्टी से पटा हुआ है। बारिश होने पर रास्ते में कीचड़ और जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो जाती है, जिससे आवागमन मुश्किल हो जाता है।

स्थानीय नागरिकों के मुताबिक सड़क निर्माण के लिए कई बार नगर पालिका के जिम्मेदार अधिकारियों को लिखित और मौखिक रूप से अवगत कराया गया, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हुआ। इसके बाद स्थानीय निवासी सचिन यादव ने IGRS पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई।

शिकायत के निस्तारण में संबंधित विभाग

की ओर से लगाई गई आख्या में बताया गया कि मार्ग निर्माण के लिए एस्टीमेट तैयार कर लिया गया है तथा आगामी बोर्ड बैठक में प्रस्ताव स्वीकृति के लिए प्रस्तुत किया जाएगा। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस जवाब को दिए हुए दो महीने से अधिक समय बीत चुका है, लेकिन अभी तक सड़क निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ है। लोगों का आरोप है कि शिकायत के निस्तारण के नाम पर केवल कागजी कार्रवाई की गई, जबकि धरातल पर स्थिति जस की तस बनी हुई है। इससे IGRS पर दर्ज शिकायतों के वास्तविक निस्तारण को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं।

बारिश में रास्ता बन जाता है दलदल: स्थानीय लोगों के अनुसार हल्की बारिश में भी यह मार्ग कीचड़ और जलभराव से भर जाता है। गड्ढों के कारण दोपहिया वाहन चालकों को परेशानी होती है। बुजुर्गों, मरीजों और स्कूली बच्चों को भी इसी रास्ते से आवागमन करना पड़ता है। आपात स्थिति में एंबुलेंस जैसे वाहन के पहुंचने में भी दिक्कत होने की आशंका बनी रहती है।

जवाबदेही तय करने की मांग: सड़क की बदहाली को लेकर स्थानीय नागरिकों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। नागरिकों का सवाल है कि यदि सड़क निर्माण का एस्टीमेट तैयार हो चुका है तो दो महीने से अधिक समय बीतने के बाद भी प्रस्ताव बोर्ड बैठक में क्यों नहीं रखा गया। लोगों ने नगर पालिका अध्यक्ष, अधिशासी अधिकारी और स्थानीय सभासद से निर्माण प्रक्रिया की स्थिति स्पष्ट करने तथा सड़क का जल्द निर्माण कराने की मांग की है।

स्थानीय नागरिकों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो वे समस्या के समाधान के लिए आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

गणपति दर्शन के दौरान गुजरात से आई 15 वर्षीय लड़की हुई गुम, भाजपा पदाधिकारियों की सक्रियता से मिली

वसई रोड। वसई रोड पश्चिम के विस्तार क्षेत्र स्थित दीनदयाल नगर की मनिहार बिल्डिंग में गणपति बप्पा के दर्शन के लिए गुजरात से आई 15 वर्षीय लड़की अचानक गुम हो गई। लड़की के गुम होने की जानकारी भारतीय जनता पार्टी की पदाधिकारी रोमा मैडम और बबीता शर्मा को मिली। जानकारी मिलते ही दोनों पदाधिकारियों ने सक्रियता दिखाते हुए लड़की की तलाश शुरू की। कड़ी मेहनत और लगातार प्रयास के बाद लड़की को सुरक्षित ढूंढ लिया गया। इसके बाद उससे आवश्यक जानकारी प्राप्त कर उसके सगे-संबंधियों को सौंप दिया गया। लड़की के सुरक्षित मिलने की जानकारी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को मिलने के बाद सभी ने रोमा मैडम और बबीता शर्मा की सक्रियता की सराहना की तथा उनके प्रयासों के लिए धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया। इस घटना में दोनों पदाधिकारियों की तत्परता से एक परिवार को बड़ी राहत मिली। सामुदायिक कल्याण:एमेजॉन के अन्य कार्यक्रमों में 4,000 से अधिक स्टूडेंट्स के लिए पोषण सहायता, 6 स्कूलों का रेनोवेशन, 500 से अधिक महिलाओं के लिए स्किल ट्रेनिंग, 1,200 स्टूडेंट्स के लिए करियर अवेयरनेस और मुंबई में 14,000 स्थानीय पेड़ लगाना शामिल है। एमेजॉन मुंबई में अपने इंफ्रास्ट्रक्चर के विस्तार के साथ स्थानीय समुदायों के वर्तमान और भविष्य को बेहतर बनाने के लिए निवेश जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री करेंगे रोजगार महाकुंभ का उद्घाटन,लाड़ली बहनों के लिए विशेष रोजगार मेला

मुंबई। राज्य के युवक-युवतियों को रोजगार के प्रत्यक्ष अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कौशल, रोजगार, उद्यमिता एवं नवाचार मंत्री श्री. मंगल प्रभात लोढ़ा की संकल्पना से 29 सितंबर को पंडित दीनदयाल उपाध्याय विश्वविक्रमी रोजगार महाकुंभ महाराष्ट्र का आयोजन किया गया है। इस पहल के तहत राज्यभर में रोजगार मेलों एवं प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया जाएगा। इसके माध्यम से नौकरी की तलाश कर रहे उम्मीदवारों तथा विभिन्न क्षेत्रों की कंपनियों और नियोक्ताओं को एक ही मंच पर लाया जाएगा।

रोजगार महाकुंभ के मुंबई उद्घाटन समारोह का आयोजन एसएनडीटी महिला विश्वविद्यालय में किया गया है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के हाथों इसका उद्घाटन होगा। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री श्रीमती सुनेत्रा अजित पवार, विधानसभा अध्यक्ष एडवोकेट राहुल नार्वेकर, मंत्री चंद्रकांत पाटील, मंगल प्रभात लोढ़ा, उदय सामंत, जयकुमार रावल, आकाश फुंडकर, महापौर श्रीमती रितु तावडे, सांसद मिलिंद देवरा एवं अरविंद सावंत सहित वरिष्ठ अधिकारी एवं गणमान्य उपस्थित रहेंगे। इस रोजगार महाकुंभ की विशेषता उम्मीदवारों की शैक्षणिक योग्यता, कौशल एवं अनुभव को उपलब्ध रोजगार के अवसरों से जोड़ना है। उम्मीदवारों और रिक्त पदों के बीच कैंडिडेट-वैकेंसी मैचिंग के साथ ही साक्षात्कार की तैयारी, संवाद कौशल, व्यक्तित्व विकास एवं सॉफ्ट स्किल्स के लिए प्री-प्लेसमेंट प्रशिक्षण भी दिया गया है। इस प्रशिक्षण के पहले चरण की बैच 7 से 10 सितंबर के बीच, जबकि दूसरे चरण की बैच 21 से 24 सितंबर के बीच आयोजित की गई है। इस व्यापक पहल के विशेष भाग के रूप में एसएनडीटी महिला विश्वविद्यालय में लाड़ली बहनों के लिए स्वतंत्र रोजगार मेला आयोजित किया गया है। इसमें लगभग 600 से 700 महिला उम्मीदवारों के शामिल होने की संभावना है तथा विभिन्न कंपनियों के स्टॉल लगाए जाएंगे। महिलाओं को उपलब्ध पदों, पात्रता, कार्य की प्रकृति, वेतनमान एवं भर्ती प्रक्रिया की प्रत्यक्ष जानकारी मिलने के साथ ही कंपनियों के प्रतिनिधियों से संवाद करने और साक्षात्कार देने का अवसर भी मिलेगा। महिलाओं के कौशल को रोजगार के अवसरों से जोड़ना तथा उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने को बढ़ावा देना इस विशेष रोजगार मेले का उद्देश्य है।

बोरीवली में मेडिकल कैंप और सीपीआर प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन

मुंबई। डॉ. पी. जे. मेहता मेमोरियल चैरिटेबल ट्रस्ट और डॉन बॉस्को पास्ट प्यूपिल्स एसोसिएशन ने डॉन बॉस्को स्कूल, बोरीवली के छात्रों के लिए एक मेडिकल जांच शिविर और सीपीआर प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया। बोरीवली के वरिष्ठ नेत्र रोग विशेषज्ञ और डॉ. पी. जे. मेहता मेमोरियल चैरिटेबल ट्रस्ट के ट्रस्टी डॉ. निमेष पी मेहता ने मीडिया को बताया कि हम 16 डॉक्टरों की टीम ने कुल 1,250 छात्रों की सामान्य बीमारियों के साथ-साथ उनके शारीरिक विकास की भी जांच की। डॉ. निमेष पी. मेहता ने आगे कहा कि हमारे ट्रस्ट ने 'स्वस्थ्य बच्चों की देखभाल, स्वस्थ्य भारत का निर्माण' के उद्देश्य से कार्य शुरू किया है। इसी के अंतर्गत यह मुफ्त शिविर लगाया गया है , जो आगे भी अन्यत्र स्थानों पर लगाया जाता रहेगा। शिविर समन्वयक डॉ. गणेश शेनॉय ने कहा कि ?हम बच्चों में कान-नाक-गला (ईएनटी) की समस्याओं, छाती के संक्रमण, त्वचा के संक्रमण और दांतों की समस्याओं की जांच की है। इसके अलावा, हम यह भी जांचते हैं कि उनका वजन ज्यादा है या कम और क्या उनका विकास सामान्य मानकों के अनुसार हो रहा है। सीपीआर प्रशिक्षण कार्यशाला के दौरान, बच्चों को बुनियादी जीवन-रक्षक प्रक्रियाएं सिखाई गईं, जैसे कि जब किसी व्यक्ति की सांस या दिल की धड़कन रुक जाए तो क्या करना चाहिए। लगातार मेडिकल रेस्क्यू प्रशिक्षण के लिए एलएलएसपीआई की डॉ. अल्पा मेहता ने कहा, मेडिकल इमरजेंसी अचानक आती है। जब आस-पास चिकित्सा सहायता उपलब्ध नहीं होती है, तो फर्स्ट एड और सीपीआर का ज्ञान जीवन बचा सकता है। हम भविष्य के नागरिकों को इस बात का बुनियादी ज्ञान दे रहे हैं कि चिकित्सा विशेषज्ञों के आने तक मरीज की सांस और दिल की धड़कन को कैसे चालू रखा जाए। इससे मरीज के बचने की संभावना काफी बढ़ जाती है।

इंदौर में निकली 22 झांकियां, चांद पर सवार हुए गणपति, महाकाल के दर्शन भी, अखाड़ों ने दिखाए करतब

-प्रणित नरेंद्र तिवारी

इंदौर (उत्तर शक्ति)। इंदौर में अनंत चतुर्दशी पर 103 साल पुरानी परंपरा के तहत 22 से ज्यादा झांकियों का चल समारोह निकला। शाम 6 बजे खजराना गणेश मंदिर की झांकी से शुरुआत हुई। इसके बाद अलग-अलग मिलों, इंदौर विकास प्राधिकरण, नगर निगम और अन्य संस्थाओं की झांकियां शामिल हुईं। रात तक झांकियों का कारवां आगे बढ़ता रहा। ड्रोन श्कड्स से सड़क पर झांकियों की लंबी कतार और किनारे जुटे लोग नजर आए। खजराना गणेश मंदिर की झांकी में चंद्रमा पर सवार गणपति नजर आए। कृष्णपुरा छतरी, चांद और गणपति बप्पा का एक फ्रेम भी कैमरे में कैद हुआ। एक झांकी में महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग के दर्शन कराए गए। झांकियों में राम-लक्ष्मण, हनुमानजी, लक्ष्मी पूजा, जगन्नाथ रथयात्रा समेत पौराणिक प्रसंग और सामाजिक संदेश दिखाए गए। चल समारोह के साथ अलग-अलग अखाड़ों ने शस्त्र कला, लाठी और पारंपरिक करतब दिखाए। पंचमुखी अखाड़ा की बच्चियों ने शस्त्र कला का प्रदर्शन किया। महिलाओं और लड़कियों की मंडली ने भी करतब दिखाए। कई जगह लड़कियां ढोल बजाते हुए चल समारोह में शामिल हुईं। पुलिस कमिश्नर संतोष सिंह ने नियमों का पालन करने वाले अखाड़ों के लिए 'इंदौर गौरव सम्मान' की घोषणा की। राजकमल बैंड, बॉबी स्टार बैंड और हनुमंत ध्वज पताका टीम की प्रस्तुतियां भी चल समारोह का हिस्सा रहीं। 'भूल भुलैया' के छोटा पंडित के किरदार में पहुंचा युवक भी आकर्षण रहा। झांकियों में बाली-सुग्रीव युद्ध, सावित्री-सत्यवान, पूतना वध और द्रौपदी चीरहरण जैसे प्रसंग भी दिखाए गए।

उद्योगपति रितेश सिंह के निवास पर बप्पा के दर्शन का सौभाग्य

मुंबई। उद्योगपति एवं ठाकुर रितेश रमेश सिंह के निवास स्थान पर विराजमान गणपति बप्पा के दर्शन करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। इस अवसर पर बप्पा का आशीर्वाद लेकर सभी के सुख, समृद्धि एवं मंगलमय जीवन की कामना की गई। इस दौरान उद्योगपति एवं समाजसेवी ठाकुर संतोष सिंह एवं भाजपा नेता सुरेंद्र यादव भी उपस्थित रहे। दोनों ने गणपति बप्पा की पूजा-अर्चना कर श्रद्धापूर्वक दर्शन किए और गणेशोत्सव की शुभकामनाएं दीं। उपस्थित लोगों का रमेश सिंह एवं रितेश सिंह ने पुष्प गुच्छ व शाल देकर स्वागत किया।

नगरसेवक नितेश सिंह के गणेश विसर्जन कार्यक्रम में श्रद्धालुओं की उमड़ी आस्था

मुंबई। गणपति बप्पा मोरया, अगले बरस तू जल्दी आ–गणेश विसर्जन के अवसर पर नगरसेवक डॉक्टर नितेश राजहंस सिंह द्वारा आयोजित गणेश विसर्जन कार्यक्रम में श्रद्धालुओं ने उत्साह एवं भक्तिभाव के साथ भाग लिया। इस अवसर पर उपस्थित होकर बप्पा के दर्शन एवं आशीर्वाद प्राप्त किया गया। कार्यक्रम में गणपति बप्पा की विदाई के दौरान भक्तिमय वातावरण देखने को मिला। श्रद्धालुओं की सुविधा तथा भगवान गणेश के स्वागत और विसर्जन को लेकर किए गए सुंदर आयोजन की उपस्थित लोगों ने सराहना की। श्रद्धालुओं ने गणराज से सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। भक्तों के बीच गणपति बप्पा मोरया, मंगलमूर्ति मोरया के जयघोष गूंजते रहे। उक्त आशय की जानकारी भाजपा नेता सुरेंद्र यादव ने दी है।

एपिलेप्सी के इलाज के लिए अल्केम की नई दवा 'न्यूसीनो' पेश

मुंबई। अल्केम लैबोरेटरीज लिमिटेड ने आज न्यूसीनो (सेनोबामेट) के लॉन्च की घोषणा की। यह वयस्क मरीजों में पार्शियल-ऑनसेट सीजर्स के इलाज के लिए एक एंटी-सीजर मेडिकेशन (एएसएम) है। सेनोबामेट भारत में पहली बार लॉन्च हो रहा है, और यह एपिलेप्सी के इलाज में एक बड़ी प्रगति है। न्यूसीनो एक दिन में एक बार ली जाने वाली ओरल थेरेपी है, जो 12.5 एमजी, 25 एमजी, 50 एमजी, 100 एमजी, 150 एमजी और 200 एमजी की टैबलेट्स में उपलब्ध है। भारत में एपिलेप्सी एक बड़ी हेल्थकेयर चुनौती है। अनुमान है कि करीब 94 लाख लोग इस स्थिति के साथ जी रहे हैं। कई एंटी-सीजर मेडिकेशन उपलब्ध होने के बावजूद, एक बड़ी संख्या में मरीजों के सीजर्स नियंत्रण में नहीं आ पाते, जिससे उनकी स्वतंत्रता, रोजमर्रा के कामकाज और समग्र जीवन-गुणवत्ता पर काफी असर पड़ता है। न्यूसीनो (सेनोबामेट) दो अलग तरीकों से एक साथ काम करता है। यह उस पर्सिस्टेंट सोडियम करंट को चुनिंदा तरीके से रोकता है, जो बार-बार न्यूरोनल फायरिंग को बढ़ावा देता है, और साथ ही जीएबीए-ए रिसेप्टर्स के पॉज़िटिव मॉड्युलेशन के जरिए मस्तिष्क के नैचुरल इनहिबिटरी सिग्नलिंग को बढ़ाता है। मौजूदा एंटी-सीजर मेडिकेशन ले रहे वयस्कों में, जिनके फोकल सीजर्स नियंत्रण में नहीं आ रहे थे, रैंडमाइज्ड क्लिनिकल स्टडीज में एडजंक्टिव सेनोबामेट से सीजर फ्रीक्वेंसी में 78% तक कमी देखी गई, और मेंटेनेंस फेज के दौरान 30% तक मरीजों में सीजर-फ्रीडम हासिल हुई।

मानस परिवार सामाजिक सेवा संस्था द्वारा श्री गणेश भक्तों को बांटे स्वल्पाहार

-जगदीश तिवारी

नालासोपारा (उत्तरशक्ति)। मानस परिवार सामाजिक सेवा संस्था रजि0 के द्वारा विगत वर्ष की भाँति इस वर्ष भी अनन्त चतुर्दशी के पावन अवसर पर गणपति विसर्जन के लिए जाते हुए श्रद्धालुओं को स्वल्पाहार स्वरूप बिस्किट और पानी उपलब्ध कराया गया । संस्था के संस्थापक एवं संयोजक डॉ दिनेश चतुर्वेदी जी संस्था के उद्देश्यों के बारे में बताते हुए सनातन धर्म के प्रचार प्रसार और समाज सेवा को प्रमुखता देने पर बल दिया। अध्यक्ष राकेश सिंह, सचिव आचार्य बमशंकर शुक्ल, कोषाध्यक्ष ज्ञानप्रकाश चौबे, उपाध्यक्ष दिनेश चौबे एवं राजशेखर पाण्डेय, उप सचिव विष्णु प्रकाश दुबे, महामंत्री विवेक सिंह, संगठन मंत्री सुजीत मिश्र, मीडिया प्रभारी विजय पाण्डेय ने अतिथियों का स्वागत किया। संस्था के कानूनी सलाहकार एड हितेश चौबे ने मंच का संचालन किया। उपस्थित गणमान्य जनों में पूर्व महापौर रूपेश जाधव,अर्थ हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ मिथिलेश मिश्र, संस्कृति बिल्डर ऐंड डेवलपर के डायरेक्टर और मानस परिवार सामाजिक सेवा संस्था के संरक्षक प्रदीप चतुर्वेदी, नगरसेविका श्रीमती प्रज्ञा पाटिल, नगरसेविका श्रीमती रीतू सचिन चौबे, नगरसेविका श्रीमती बंटी सुनील तिवारी, नगर सेवक अभय कक्कड़, नगर सेवक अशोक शेलके, पूर्व नगरसेवक वैभव पाटिल, प्रवीण वाघमारे शाखा प्रबंधक टीजेएसबी बैंक, राजेश करकरे सहायक शाखा प्रबंधक टीजेएसबी बैंक, डॉ अरविन्द सिंह, अरुण पाण्डेय, जगदीश तिवारी, भाजपा नेता सुनील तिवारी, भाजपा नेता अमित ओमप्रकाश दुबे, जय प्रकाश पाण्डेय, हरिकेश तिवारी, निशांत तिवारी, मिथिलेश तिवारी, चंद्र प्रकाश यादव आदि थे। संस्था के मार्गदर्शक मण्डल से दिलीप मिश्र, वीरेंद्र मिश्र, जीतेंद्र सिंह, दिनेश पाण्डेय, नागेंद्र तिवारी, संतोष चतुर्वेदी, भूपेश तिवारी, अभय सिंह , सुभाष शुक्ल और संकुल पाठक उपस्थित रहे। अन्य सक्रिय सभासदों में प्रभाकर तिवारी, संजय चौबे, विकेश शुक्ल, योगेश तिवारी, विष्णु कात्रे, महेश चतुर्वेदी, विनय त्रिपाठी, अजय दुबे, रमेश सिंह, डॉ विवेक सिंह, भोले दुबे, सुधीर त्रिपाठी, प्रभाकर तिवारी, चंद्रशेखर पाण्डेय, सुनील मिश्र, सुशील चौबे, उमेश तिवारी, राजकुमार मिश्र, चिंतामणि दुबे, महेश तिवारी एवं बालमंडली में आयुष चतुर्वेदी, वैभव सिंह, आरुष , आरव, अर्चित, दर्शित, हितांश तिवारी, अद्विक पाण्डेय, कु. प्राप्ति, राघव दुबे आदि का योगदान सराहनीय रहा। इतने भव्य कार्यक्रम के सम्पन्न होने पर संस्था के संस्थापक एवं संयोजक डॉ दिनेश चतुर्वेदी ने सबका आभार प्रकट किया।

इंडियनऑयल ने भारतीय सेना की पूर्वी कमांड के लिए एक्सट्रीम वेदर ग्रेड डीजल की पहली खेप रवाना की

मुंबई। इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (इंडियनऑयल) ने आज भारतीय सेना के साथ अपने लंबे समय से चले आ रहे सहयोग में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की। कंपनी ने भारतीय सेना की पूर्वी कमांड के लिए एक्सट्रीम वेदर ग्रेड हाई स्पीड डीजल की पहली खेप आज पानीपत मार्केटिंग कॉम्प्लेक्स से रवाना की। इस पहली खेप को लेफ्टिनेंट जनरल मुकेश चड्ढा, एवीएसएम, एसएम, वीएसएम, डायरेक्टर जनरल सप्लाइज एंड ट्रांसपोर्ट और सीनियर कर्नल कमांडेंट, आईएचक्यू ऑफ एमओडी (आर्मी) ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर इंडियनऑयल के कंट्री हेड (इंस्टीट्यूशनल बिजनेस) के. जॉन प्रसाद और पानीपत रिफाइनरी के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर एवं रिफाइनरी हेड एम. एल. डहरिया उपस्थित थे। इंडियनऑयल का WG HSD डीजल जुलाई 2026 में चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ (COAS) ने लॉन्च किया था। इसे भारतीय सेना की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए बहुत ठंडे और ऊंचाई वाले क्षेत्रों के लिए खास तौर पर तैयार किया गया है। कम तापमान में भी यह डीजल बेहतर तरीके से काम करता है और कठिन इलाकों में सेना के वाहनों और उपकरणों को भरोसेमंद तरीके से चलाने में मदद करता है। पूर्वी कमांड को XWG HSD की पहली खेप भेजने के साथ अब इसकी सप्लाई देश के उत्तरी और पूर्वी सीमावर्ती क्षेत्रों तक पहुंच गई है। पूर्वी क्षेत्र में WG डीजल उपलब्ध कराने वाली इंडियनऑयल पहली सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी (PSU) बन गई है। यह उपलब्धि भारतीय सशस्त्र बलों की जरूरतों के अनुसार विशेष ईंधन को देश में ही विकसित करने के लिए इंडियनऑयल के लगातार किए जा रहे प्रयासों का परिणाम है। इसमें 2019 में विंटर ग्रेड डीजल, 2022 में ऑल वेदर ग्रेड HSD और 2022 में लो सल्फर लो एरोमैटिक सुपीरियर केरोसीन ऑयल शामिल हैं। लेफ्टिनेंट जनरल मुकेश चड्ढा, एवीएसएम, एसएम, वीएसएम, डीजीएसटी, आईएचक्यू ऑफ एमओडी (आर्मी) ने कहा कि ऊंचे पहाड़ी और खराब मौसम वाले क्षेत्रों में सेना की ऑपरेशनल तैयारी और कार्यक्षमता बढ़ाने में हऋडीजल महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। पहली बार यह खास ईंधन लद्दाख के बाहर भी उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश में सेना के कामकाज में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि सही समय पर सही जगह ईंधन पहुंचाने के लिए भरोसेमंद, मजबूत और जरूरत के अनुसार तेजी से काम करने वाली सप्लाई व्यवस्था जरूरी है। उन्होंने पूर्वी क्षेत्र में XWG डीजल की सप्लाई शुरू करने में इंडियनऑयल के सहयोग की सराहना की। इंडियनऑयल के कंट्री हेड (इंस्टीट्यूशनल बिजनेस) के. जॉन प्रसाद ने कहा, भारतीय सेना देश के कुछ बेहद कठिन भौगोलिक और मौसम की परिस्थितियों में काम करती है, इसलिए भरोसेमंद ईंधन बहुत जरूरी है। पूर्वी कमांड को XWG HSD की सप्लाई शुरू होने से सेना को एक और महत्वपूर्ण क्षेत्र में सहयोग देने की हमारी क्षमता बढ़ी है। नेशन फर्स्ट के मूल सिद्धांत के साथ इंडियनऑयल भारतीय सशस्त्र बलों के लिए देश में ही जरूरत के अनुसार ऊर्जा समाधान विकसित करने और आत्मनिर्भर भारत में योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध है।

रत्नाफिन ने अंधेरी में नई ब्रांच खोलकर मुंबई में अपनी मौजूदगी को किया और मजबूत

मुंबई। एमएसएमई पर केंद्रित प्रमुख एनबीएफसी रत्नाफिन ने मुंबई के अंधेरी में अपनी नई ब्रांच खोलने का ऐलान किया है। शहर में पहले से मौजूद शाखाओं के मुकाबले अंधेरी की यह ब्रांच ज्यादा बड़ी जगह, बेहतर संसाधन और एक बड़ी टीम के साथ आती है, जो उद्यमी समुदाय की सेवा को और असरदार बनाने की रत्नाफिन की प्रतिबद्धता को दिखाती है। कंपनी अब तक देशभर के छोटे कारोबारों को 12,000 करोड़ रुपये से ज्यादा की राशि बांट चुकी है, जो एक भरोसेमंद वित्तीय पार्टनर के तौर पर उसकी भूमिका को और मजबूत करता है। अंधेरी ब्रांच में बिजनेस लोन, लोन अगेंस्ट प्रॉपर्टी, इक्विपमेंट फाइनेंस और सोलर लोन समेत तमाम उत्पाद उपलब्ध होंगे। यह विविध पोर्टफोलियो अलग-अलग सेक्टर के एमएसएमई की जरूरतों को ध्यान में रखकर बनाया गया है, चाहे वह मशीनरी अपग्रेड करने वाले निमार्ता हों या रिन्यूएबल एनर्जी सॉल्यूशन में निवेश करने वाले उद्यमी। रत्नाफिन के ज्वाइंट मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ मालव देसाई ने कहा, मुंबई भारत का कमर्शियल हब है, और अंधेरी हमारे विस्तार के लिए सही इकोसिस्टम मुहैया कराता है। एक बड़ी ब्रांच, ज्यादा संसाधन और एक मजबूत टीम के साथ हम इस क्षेत्र में समुदाय की बेहतर सेवा करने और एमएसएमई व छोटे बिजनेस मालिकों की बदलती जरूरतों को पूरा करने के लिए तैयार हैं। रत्नाफिन अब देशभर में 250 से ज्यादा जगहों पर काम करती है, और इसने 1,50,000 से ज्यादा ग्राहकों की सेवा की है। यह कंपनी उद्यमियों की मेहनत और जज्बे को समझने पर टिकी है, न कि सिर्फ कागजी कार्रवाई पर, और एमएसएमई की तरक्की में एक पार्टनर के तौर पर अपनी पहचान लगातार मजबूत कर रही है। टेक्सटाइल निमार्ताओं और इंडस्ट्रियल यूनिट से लेकर सोलर उद्यमियों और सर्विस बिजनेस तक, रत्नाफिन ऐसे कस्टमाइज्ड समाधान देती है, जो सिर्फ लेन-देन तक सीमित नहीं हैं। मुंबई में यह विस्तार एमएसएमई को सशक्त बनाने के उसके मिशन को और मजबूत करता है, क्योंकि एमएसएमई ही भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं, और इसके लिए कंपनी असल कारोबारी जरूरतों के हिसाब से बनाए गए वित्तीय उत्पाद देती है।

कांडला में देश की पहली पोर्ट आधारित ई-मेथनॉल परियोजना का शिलान्यास

मुंबई/गांधीधाम। भारत ने ग्रीन एनर्जी और समुद्री परिवहन को स्वच्छ ईंधन से जोड़ने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्री सबार्नंद सोनोवाल और असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्वा सरमा ने कांडला स्थित दीनदयाल पोर्ट अथॉरिटी में देश की पहली पोर्ट आधारित ई-मेथनॉल उत्पादन परियोजना की आधारशिला रखी।

ग्रीन मेथनॉल प्लांट

करीब 2,300 करोड़ रुपये की लागत से स्थापित होने वाले इस ग्रीन मेथनॉल प्लांट में प्रतिदिन लगभग 150 टन ई-मेथनॉल का उत्पादन किया जाएगा। इसके उत्पादन में नवीकरणीय ऊर्जा, पानी और जैविक स्रोतों से प्राप्त कार्बन डाइऑक्साइड यानी CO_2 का इस्तेमाल किया जाएगा।

जहाजों के लिए बनेगा ग्रीन फ्यूल

परियोजना से तैयार ई-मेथनॉल का इस्तेमाल समुद्री परिवहन में ग्रीन फ्यूल के रूप में किया जाएगा। योजना के मुताबिक, इस ईंधन की आपूर्ति एशिया-यूरोप अंतरराष्ट्रीय व्यापार मार्ग पर संचालित होने वाले जहाजों को की जाएगी।

3,500 से ज्यादा रोजगार के अवसर

यह परियोजना दीनदयाल पोर्ट अथॉरिटी और असम पेट्रो-केमिकल्स लिमिटेड की संयुक्त पहल है। इसे चरणबद्ध तरीके से विकसित किया जाएगा। परियोजना से 3,500 से अधिक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार पैदा होने की उम्मीद है।

2070 के नेट-जीरो लक्ष्य की दिशा में कदम

यह परियोजना भारत के 2070 तक नेट-जीरो उत्सर्जन के लक्ष्य के अनुरूप बताई गई है। सरकार समुद्री क्षेत्र को मजबूत करने के लिए अगले पांच वर्षों में 100 नए जहाज जोड़ने और वर्ष 2047 तक भारत को दुनिया के शीर्ष पांच जहाज-मालिक देशों में शामिल करने की दिशा में भी काम कर रही है।

गुजरात बनेगा ग्रीन एनर्जी का गेटवे

गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि गुजरात भारत का दुनिया के लिए प्रवेश द्वार है और अब कांडला के माध्यम से गुजरात दुनिया के लिए ग्रीन एनर्जी का गेटवे बनेगा। उन्होंने कहा कि कच्छ और गुजरात की लंबी समुद्री तटरेखा दुनिया के जहाजों को ग्रीन एनर्जी उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

केंद्रीय मंत्री का बयान

केंद्रीय मंत्री सबार्नंद सोनोवाल ने कहा कि भारत अब केवल जहाज और कंटेनर निर्माण की दिशा में ही आगे नहीं बढ़ रहा है, बल्कि वैश्विक व्यापार को चलाने वाले स्वच्छ ईंधन के उत्पादन की क्षमता भी विकसित कर रहा है। उन्होंने कांडला को भविष्य में ग्रीन फ्यूल हब के रूप में विकसित किए जाने की संभावना जताई। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि ब्रह्मपुत्र, पर्याप्त धूप और जलविद्युत क्षमता के कारण असम में ग्रीन एनर्जी के क्षेत्र में बड़ी संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि नामरूप स्थित असम की कंपनी का कांडला तक पहुंचना पूर्वोत्तर भारत की ग्रीन एनर्जी क्षमता को देश के समुद्री क्षेत्र से जोड़ने का उदाहरण है। कार्यक्रम में कच्छ के सांसद विनोद चावड़ा, गांधीधाम की विधायक मालतीबेन किशोर माहेश्वरी, असम पेट्रो-केमिकल्स के चेयरमैन बिकुल डेका, वाइस चेयरमैन हेमंत गोगोई और दीनदयाल पोर्ट अथॉरिटी के चेयरमैन सुशील कुमार सिंह सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

फोनपे ने बड़े रूरल मर्चेंट एक्सपैंशन प्लान की घोषणा की

मुंबई। आज फोनपे ने अपने मर्चेंट नेटवर्क के विस्तार में तेजी लाने की घोषणा की, जिसके अंतर्गत कंपनी के डिजिटल पेमेंट इन्फ्रास्ट्रक्चर का विस्तार भारत के छोटे शहरों और गाँवों में गहराई तक किया जाएगा।

इस विस्तार के अंतर्गत, फोनपे अगले साल तक 20,000 से अधिक फ्रंटलाईन सेल्स कर्मचारियों की नियुक्ति करेगा। कंपनी द्वारा अगले 12 महीनों में 50 लाख से अधिक पेमेंट डिवाइसेज तैनात की जाएंगी, जिनमें स्मार्ट स्पीकर और पीओएस डिवाईस शामिल होंगी। इनमें से इनमें से लगभग 50 प्रतिशत डिवाइसेज ग्रामीण भारत में तैनात की जाएंगी, ताकि टियर 6 शहरों और छोटे गाँवों तक डिजिटल पेमेंट की सुविधा पहुँच सके। हाल ही में घोषित एमडीआर फ्रेमवर्क ने कंपनी को लंबी दूरदर्शिता के साथ मर्चेंट विस्तार में निवेश करने में समर्थ बनाया है। एकत्रित हुई एमडीआर राशि के 5 प्रतिशत हिस्से को छोटे मर्चेंट्स के विस्तार के लिए एक समर्पित फंड के रूप में रखने से इन निवेशों को और अधिक गति मिलेगी, जिसका प्रभाव खासकर टियर 6 शहरों और छोटे गाँवों में देखने को मिलेगा। पिछले साल लागू किए गए नए लेबर कोड कंपनी को स्ट्रीमलाईंड कंप्लायंसेज के साथ ज्यादा तेजी से नियुक्ति करने में समर्थ बना रहे हैं, जिससे बड़े स्तर पर ऑन-रोल कर्मचारियों को नियुक्त करने में मदद मिल रही है। भारत में दुनिया के सबसे बड़े डिजिटल पेमेंट्स ईकोसिस्टम्स में से एक स्थापित हो चुका है। इस सफर के अगले चरण के लिए मर्चेंट एक्सेप्टेंस इन्फ्रास्ट्रक्चर में लगातार निवेश की जरूरत होगी, ताकि देश के हर कोने में स्थित छोटे बिजनेस डिजिटल अर्थव्यवस्था में हिस्सा ले सकें। फोनपे द्वारा विस्तार की योजना इसी अवसर पर केंद्रित है। बड़ी संख्या में काम कर रहे फ्रंटलाईन ऑन-रोल कर्मचारी फोनपे को छोटे शहरों और गाँवों के मर्चेंट्स तक पहुँचने में समर्थ बनाएंगे। वो इन मर्चेंट्स को डिजिटल पेमेंट स्वीकार करने में समर्थ बनाएंगे, उनके केवाईसी कंप्लीट कराएंगे, पेमेंट डिवाईस लगाएंगे और लगातार मर्चेंट सपोर्ट प्रदान करेंगे। इस विस्तार द्वारा लाखों छोटे मर्चेंट्स को औपचारिक फाईनेंशियल सिस्टम में शामिल करने में मदद मिलेगी। एक डिजिटली एक्टिव और केवाईसी-कंप्लायंट मर्चेंट नेटवर्क व्यावसायिक गतिविधि की ज्यादा बेहतर विजिबिलिटी प्रदान कर सकता है, जिससे योग्य मर्चेंट अनेकों औपचारिक फाईनेंशियल सेवाएं प्राप्त करने में समर्थ बन सकते हैं, जिनमें लेंडिंग संस्थाओं द्वारा दिया जाने वाला क्रेडिट भी शामिल है।

नवरात्र से पहले मां शारदा की राह में गड्ढों का इम्तिहान

मैहर-सतना मार्ग पर करीब 10 किमी तक सड़क की बदहाली, बारिश ने बढ़ाई मुसीबत; अंडरपास के पास पानी से लबालब गड्ढे, फंसे वाहनों को श्रद्धालु लगा रहे धक्का

-सुरेश गांधी

मैहर/सतना। मां शारदा के दरबार में पहुंचने के लिए श्रद्धालु कठिन चढ़ाई और सैकड़ों सीढ़ियां हंसते-हंसते पार कर रहे हैं, लेकिन मंदिर से लौटते ही सड़क के गड्ढे उनका इम्तिहान लेने लगते हैं। मैहर से सतना की ओर लौटते वक्त करीब 10 किमी का रास्ता ऐसा मिला कि सवाल उठता रहा—सड़क में गड्ढे हैं या गड्ढों में सड़क?

बारिश ने पहले से बदहाल सड़क की तस्वीर और भयावह कर दी है। जगह-जगह गड्ढों में पानी भर गया है। उनकी गहराई का अंदाजा नहीं लगता। अंडरपास के पास हालात सबसे ज्यादा खराब हैं। रोज इस रास्ते से गुजरने वाले स्थानीय वाहन चालक तो हिचकोले खाते हुए किसी तरह निकल जाते हैं, लेकिन बाहर से दर्शन के लिए आए वाहन चालकों के लिए यह रास्ता किसी परीक्षा से कम नहीं।

कहीं वाहन पानी भरे गड्ढे में उतरकर बंद हो जा रहे हैं तो कहीं यात्रियों को वाहन से उतरकर उसे धक्का देकर बाहर निकालना पड़ रहा है। परिवार और सामान से लदे वाहनों के बीच अचानक आए गड्ढे वाहन चालकों की परेशानी बढ़ा रहे हैं। बारिश के बीच सड़क और गड्ढे का फर्क मिट जाने से खतरा और बढ़ गया है। खास यह है कि सड़क की बदहाली का यह कोई सुना-सुनाया किस्सा नहीं, मौके की तस्वीरें और वीडियो खुद गवाही दे रहे हैं। बारिश के पानी से डूबे गड्ढे, उनमें फंसते वाहन और उन्हें धक्का देकर निकालते श्रद्धालु—मैहर की सड़क व्यवस्था की तस्वीर कैमरे में कैद है।

नवरात्र में लाखों कदम, रास्ता तैयार है?

नवरात्र करीब है। मां शारदा के दर्शन के लिए उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, दिल्ली समेत देश के अलग-अलग हिस्सों से श्रद्धालुओं के पहुंचने की उम्मीद है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यही है कि जिस तीर्थ की आस्था देशभर को खींचती है, वहां तक पहुंचने वाला रास्ता श्रद्धालुओं का स्वागत करेगा या उन्हें गड्ढों के बीच से गुजरना पड़ेगा?

स्थानीय नागरिक दयालु यादव सड़क की बदहाली के लिए क्षेत्र के सांसद और विधायक को जिम्मेदार ठहराते हैं। उनका कहना है कि इतने बड़े धार्मिक पर्यटन स्थल की सड़क की यह स्थिति जनप्रतिनिधियों और जिम्मेदार विभागों की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करती है।

सवाल सिर्फ एक सड़क का नहीं है। तीर्थ, पर्यटन और स्थानीय अर्थव्यवस्था को विकास से जोड़ने की बात होती है, लेकिन उस विकास की पहली सीढ़ी ही सड़क है। यदि श्रद्धालु मंदिर तक पहुंचने से पहले ही रास्ते में फंस जाएं, वाहन खराब हो जाएं या उन्हें पानी भरे गड्ढों में उतरकर धक्का लगाना पड़े तो मैहर की कैसी तस्वीर उनके साथ वापस जाएगी?

नवरात्र की भीड़ दस्तक देने वाली है। अब गेंद जनप्रतिनिधियों और प्रशासन के पाले में है—क्या गड्ढे भरेंगे या फिर श्रद्धालु इन्हीं गड्ढों के बीच मां शारदा तक पहुंचते रहेंगे?

स्थानीय नागरिक की दो टूक

इतने बड़े तीर्थ की सड़क ऐसी क्यों?

स्थानीय नागरिक दयालु यादव ने सड़क की बदहाली के लिए सांसद और विधायक को जिम्मेदार बताया। उनका कहना है कि मैहर में देशभर से श्रद्धालु आते हैं। नवरात्र में लाखों लोगों की आवाजाही होगी, ऐसे में प्रमुख मार्ग की यह हालत चिंता का विषय है। जनप्रतिनिधियों को इस समस्या का स्थायी समाधान कराना चाहिए, ताकि बाहर से आने वाले श्रद्धालु मैहर से अच्छी व्यवस्था की तस्वीर लेकर लौटें।

सीसी रोड गड्ढों में तब्दील, राहगीर हलकान

कोन, सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। सदर विधान सभा क्षेत्र के विकास खण्ड कोन के थाना रोड करीब एक वर्ष पहले बनाई गई । बतादें कि करीब 400 मीटर लंबी सीसी सड़क जगह-जगह टूटकर गड्ढों में तब्दील हो गई है। सड़क की खराब हालत से राहगीरों और वाहन चालकों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। निर्माण के महज एक वर्ष में सड़क के क्षतिग्रस्त होने से इसकी गुणवत्ता को लेकर सवाल उठने लगे हैं। गौरतलब है कि सीसी रोड राजकीय इंटर कॉलेज, सरकारी अस्पताल, थाना और जूनियर हाईस्कूल जैसे महत्वपूर्ण सरकारी संस्थानों को जोड़ती है। इस मार्ग से प्रतिदिन छात्र-छात्राओं, मरीजों, कर्मचारियों और आम लोगों का आवागमन होता है। ऐसे महत्वपूर्ण मार्ग की सड़क एक वर्ष के भीतर ही जगह-जगह टूटने से स्थानीय लोगों में नाराजगी व्याप्त है। स्थानीय लोगों के अनुसार सड़क निर्माण के दौरान ही कार्य की गुणवत्ता को लेकर आईआरएस विभाग और जेई को सूचना दी गई थी। इसके बावजूद ठेकेदार द्वारा मनमानी तरीके से घटिया निर्माण कार्य पूरा कराया गया। अब सड़क की सीसी परत कई स्थानों पर टूट गई है और गड्ढे बन गए हैं। बरसात के दौरान इन गड्ढों में पानी भरने से परेशानी और बढ़ जाती है। लोगों का कहना है कि नई सड़क का निर्माण होने में समय लग सकता है, लेकिन तब तक क्षतिग्रस्त सड़क की मरम्मत कराया जाना जरूरी है। स्थानीय लोगों ने आईआरएस विभाग से तत्काल तकनीकी जांच कराने और जल्द से जल्द सड़क की मरम्मत कराने की मांग की है, ताकि सरकारी संस्थानों में आने-जाने वाले लोगों को राहत मिल सके।

श्री वासुदेव फाउंडेशन जौनपुर के जिला महामंत्री बने शेर बहादुर यादव

जौनपुर। श्री वासुदेव फाउंडेशन द्वारा शिक्षक शेर बहादुर यादव को जौनपुर जिले का जिला महामंत्री नियुक्त किया गया। नियुक्ति के अवसर पर फाउंडेशन के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष अरविंद यादव तथा संरक्षक एवं राष्ट्रीय सलाहकार हरिशंकर यादव ने शेर बहादुर यादव को शॉल ओढ़ाकर एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया। शिक्षा के क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभा रहे नवनियुक्त जिला महामंत्री शेर बहादुर यादव ने नई जिम्मेदारी के लिए श्री वासुदेव फाउंडेशन के पदाधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि संगठन को जौनपुर जिले में मजबूत बनाने के लिए जल्द ही जनपद, विधानसभा एवं ब्लॉक स्तर पर पदाधिकारियों की नियुक्ति की जाएगी तथा संगठन के उद्देश्यों को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा।इस अवसर पर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष गुलाब यादव, वरिष्ठ सलाहकार हीरालाल यादव, शिक्षक अवधेश पाल, नेता जंगबहादुर यादव, बैजनाथ यादव, अवधेश यादव, शैलेश यादव एवं वाराणसी से समरेश यादव सहित अन्य लोगों ने नवनियुक्त जिला महामंत्री शेर बहादुर यादव को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

चोरी की दो मोटरसाइकिल और 1,130 रुपये के साथ दो आरोपी गिरफ्तार

मड़ियाहूं, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना मड़ियाहूं पुलिस ने मोटरसाइकिल व दुकानों में चोरी करने के आरोप में दो वांछित आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से अलग-अलग स्थानों से चोरी की गई दो मोटरसाइकिल तथा 1,130 रुपये नकद बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जौनपुर के निर्देशन में अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान शनि यादव उर्फ शुभम पुत्र रामकुमार यादव तथा मोनू मुस्लिम उर्फ मोनू शेख उर्फ रहमान बालवर पुत्र मुख्तार शेख, दोनों निवासी बुजुर्गा थाना मड़ियाहूं, जौनपुर के रूप में हुई है। दोनों आरोपी थाना मड़ियाहूं में दर्ज मुकदमा संख्या 374/2026 धारा 303(ए) बीएनएस में वांछित थे। पुलिस ने उनके पास से काली मोटरसाइकिल संख्या UP65DV1022 तथा UP64Y2801 बरामद की है। दूसरी मोटरसाइकिल के चेसिस व इंजन नंबर अस्पष्ट बताए गए हैं। गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर थाना मड़ियाहूं में मुकदमा संख्या 376/2026 के तहत संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस ने आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी कर दोनों आरोपियों को न्यायालय के समक्ष भेज दिया। कार्रवाई करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार मिश्र, उपनिरीक्षक प्रसिद्ध नारायण सिंह सहित थाना मड़ियाहूं के पुलिसकर्मी शामिल रहे।

हिंदी भाषा,संवाद नहीं राष्ट्रीय एकता का सूत्र है: डॉ दामोदर खड़से

ठाणे। हिंदी पखवाड़े के दौरान सांस्कृतिक कार्य विभाग, महाराष्ट्र शासन के अधीन महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी, लक्ष्य फाउंडेशन व शेठ एन के टी टी जूनियर कॉलेज के संयुक्त तत्वावधान में शेठ एन.के.टी.टी सभागार में बाल अभिव्यक्ति का भव्य आयोजन किया गया। इस आयोजन में विद्यार्थियों के लिए निबंध-लेखन, काव्यपठन और भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमे ७५ से अधिक विद्यार्थियों ने सहभागिता की। प्रतियोगिता में सफल हुए सभी प्रतिभागियों को पुरस्कार-राशि के साथ-साथ पुस्तक एवं प्रमाणपत्र प्रदान किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. दामोदर खड़से, विशिष्ट अतिथि के रूप में आनंद सिंह,सुरेश मिश्र (सुप्रसिद्ध हास्य-कवि एवं मंच संचालक), डॉ जीतेन्द्र पाण्डेय, सुश्री मनीषा ठक्कर (प्राचार्या- शेठ एनकेटीटी. जूनियर कॉलेज)राजेंद्र चव्हाण उपस्थित रहे। प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका में ओमप्रकाश तिवारी व प्रो. अंजनी कुमार द्विवेदी थे। डॉ खड़से ने अपने उद्बोधन में बच्चों को सम्बोधित करते हुए कहा कि, 'हिंदी भाषा भारत की आत्मा एवं राष्ट्रीय एकता का सूत्र है।' उद्बोधन के क्रम में विशिष्ट अतिथि आनंद सिंह ने बच्चों को भाषण कला,उच्चारण कौशल्य और बारीकियों के बारे में समझाया,वहीं डॉ जीतेन्द्र पाण्डेय ने विद्यार्थियों को हिंदी भाषा में उपलब्ध रोजगार के विभिन्न अवसरों के बारे में जानकारी प्रदान की। विशिष्ट अतिथि हास्य सम्राट सुरेश मिश्र ने अपनी कविताओं से उपस्थित सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं जनसमूह का मन मोह लिया। कार्यक्रम की सूचना प्रदान करते हुए लक्ष्य फॉउंडेशन के कार्यक्रम संयोजक एड्. राजीव मिश्र ने बताया कि अकादमी के सहयोग से इस तरह के कार्यक्रमों के द्वारा विद्यार्थियों को हिंदी भाषा के उत्थान एवं प्रचार-प्रसार के नए अवसर उपलब्ध होंगे। कार्यक्रम का कुशल संचालन हिंदी विभाग की प्राध्यापिका श्रीमती प्रतिभा पाटील व श्रीमती ललिता नारखेडे के द्वारा सफलतापूर्वक संपन्न किया गया। कार्यक्रम के अंत में महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी के सचिव सचिन निम्बालकर ने सभी अतिथियों एवं विद्यालय प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

भाजपा की महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक संपन्न, कार्यकर्ताओं को दिए दिशा-निर्देश

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। भारतीय जनता पार्टी की जिला इकाई की महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक जिला भाजपा कार्यालय पर आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष अजीत प्रजापति ने की, जबकि संचालन जिला महामंत्री अजय सिंह ने किया। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश उपाध्यक्ष एवं जौनपुर के जिला प्रभारी शंकर गिरी उपस्थित रहे। शंकर गिरी को हाल ही में जौनपुर का जिला प्रभारी बनाए जाने की जानकारी भी सामने आई है।

मुख्य अतिथि शंकर गिरी ने कहा कि पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता संगठन की महत्वपूर्ण शक्ति है। उन्होंने केंद्र और प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने तथा आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों में सक्रियता के साथ भाग लेने का आह्वान किया।

राज्य मंत्री गिरीश चंद्र यादव ने कहा कि परिचयात्मक बैठक आपसी संवाद, विचारों और संगठनात्मक प्राथमिकताओं को साझा करने का माध्यम है। उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं को संगठन की विचारधारा और जनसेवा के संकल्प के साथ कार्य करना चाहिए। राज्यसभा सदस्य सीमा द्विवेदी ने संगठन की मजबूती में कार्यकर्ताओं की भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने क्षेत्र के विकास, महिला सशक्तीकरण और युवाओं से जुड़े मुद्दों पर निरंतर कार्य करने की बात कही।

विधायक रमेश मिश्रा ने कहा कि ऐसी बैठकों से आपसी समन्वय मजबूत होता है और क्षेत्र की जमीनी स्थिति को समझने में मदद मिलती है। विधायक रमेश सिंह ने भी कार्यकर्ताओं को संगठनात्मक गतिविधियों में सक्रिय रहने और जनसमस्याओं के समाधान के लिए प्रयास करने की बात कही।

वरिष्ठ नेता कृपाशंकर सिंह ने कहा कि संगठन की मजबूती के लिए कार्यकर्ताओं का समर्पण और अनुशासन महत्वपूर्ण है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से जनता के बीच लगातार संपर्क बनाए रखने का आह्वान किया। अध्यक्षता कर रहे जिलाध्यक्ष अजीत प्रजापति ने मुख्य अतिथि का स्वागत और आभार व्यक्त करते हुए कहा कि शीर्ष नेतृत्व के दिशा-निर्देशों का मंडल और बूथ स्तर तक प्रभावी ढंग से पालन कराया जाएगा। उन्होंने संगठन को मजबूत करने के लिए पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से समन्वय के साथ कार्य करने की अपील की।

बैठक में जिला महामंत्री अजय शंकर दुबे, पीयूष गुप्ता, संदीप तिवारी, जिला उपाध्यक्ष पंकज मिश्रा, राज पटेल, परविंद चौहान, अमित श्रीवास्तव, विनय सिंह, अजय सरोज, नीरज मौर्य, जिला मंत्री पुष्पा निषाद, संतोष मिश्रा, राजकेशर पाल, धर्मेंद्र मिश्रा, डॉ. देवी प्रसाद सिंह, अंशू, राजेश गुप्ता, सुधांशु सिंह, विकास शर्मा, जिला कोषाध्यक्ष रीता जायसवाल, मम्मन यादव, सत्येंद्र सिंह, जिला मीडिया प्रभारी आमोद सिंह सहित पार्टी पदाधिकारी एवं विभिन्न मंडलों के अध्यक्ष उपस्थित रहे।

एक्शन टेसा ने नेशनल कारपेंटर डे पर कारपेंटरों के लिए मेगा बेनिफिट प्रोग्राम की घोषणा की

मुंबई। एक्शन टेसा, जो एक्शन ग्रुप का हिस्सा है और लकड़ी के पैनल प्रोडक्ट्स का एक लीडिंग मैन्युफैक्चरर है, ने 24 सितंबर 2026 को पूरे भारत में 50 से ज्यादा जगहों पर नेशनल कारपेंटर डे मनाया। इस साल का एडिशन कारपेंटर कम्युनिटी के साथ एक बड़ा और ज्यादा जुड़ाव दिखाता है। एक्शन टेसा ने 24 सितंबर को नेशनल कारपेंटर डे मनाने की यह पहल शुरू की और इस पहल को आगे बढ़ाते हुए 2026 एडिशन को संग संग चलें, आगे बढ़ें थीम के तहत और बड़े लेवल पर ले गया। कारपेंटरों को फर्नीचर और इंटीरियर इकोसिस्टम की रीढ़ मानते हुए, एक्शन टेसा ने कारपेंटर डे को पहचान देने के दिन से आगे बढ़ाकर कम्युनिटी और उनके परिवारों को सपोर्ट करने पर फोकस करने वाली एक पहल में बदलना जारी रखा है। इस साल, कंपनी ने फैमिली वेलफेयर, एजुकेशनल स्कॉलरशिप, स्किल डेवलपमेंट और एक्सीडेंटल इंश्योरेंस प्रोटेक्शन को कवर करते हुए चार बड़े फायदे वाले प्रोग्राम शुरू किए।

कारपेंटर कम्युनिटी के साथ मिलकर काम करनाः इस मौके पर, एक्शन टेसा के मैनेजिंग डायरेक्टर, अजय अग्रवाल ने कहा, कारपेंटर हमेशा से फर्नीचर और इंटीरियर इकोसिस्टम की रीढ़ रहे हैं और हमारी यात्रा का एक अहम हिस्सा रहे हैं। हमने 2024 में कारपेंटर डे मनाना शुरू किया, 2025 में इस पहल को बढ़ते देखा, और इस साल हम इसे और भी मतलब वाला बनाना चाहते थे। संग संग चलें, आगे बढ़ें हमारे इस विश्वास को दिखाता है कि जब हम साथ मिलकर आगे बढ़ते हैं तो तरक्की ज्यादा मतलब वाली होती है। एक कैटेगरी लीडर के तौर पर, हमारी कोशिश हमेशा अपने प्रोडक्ट्स के जरिए इनोवेशन लाने और उन लोगों के साथ मजबूत रिश्ते बनाने की रही है जो इस इंडस्ट्री का एक जरूरी हिस्सा हैं। इस पहल के जरिए, हम न सिर्फ. कारपेंटर के काम में, बल्कि उनकी और उनके परिवारों की उम्मीदों में भी उनके साथ खड़े रहना चाहते हैं।

भाजपा जिला प्रभारी के प्रथम आगमन पर कार्यकर्ताओं ने किया भव्य स्वागत

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। भाजपा के नवनियुक्त जिला प्रभारी कौशलेन्द्र सिंह पटेल के प्रथम सोनभद्र आगमन पर शनिवार को पार्टी कार्यकर्ताओं ने विभिन्न स्थानों पर ढोल-नगाड़ों के साथ उनका भव्य स्वागत किया। इसके बाद मधुपुर सीएचसी केंद्र पर स्वास्थ्य शिविर का उद्घाटन किया गया।

भाजपा जिला कार्यालय में जिलाध्यक्ष नंदलाल गुप्ता की अध्यक्षता में परिचयात्मक एवं संगठनात्मक बैठक हुई। बैठक का शुभारंभ पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। बैठक में क्षेत्रीय महामंत्री अजीत रावत, क्षेत्रीय मंत्री रामसुंदर निषाद, सदर विधायक भूपेश चौबे और घोरावल विधायक अनिल कुमार मौर्या मौजूद रहे। संचालन जिला महामंत्री संतोष शुक्ला ने किया।

जिला प्रभारी कौशलेन्द्र सिंह पटेल ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि संगठन की मजबूती कार्यकर्ताओं की सक्रियता और समर्पण पर निर्भर करती है। उन्होंने पार्टी के आगामी कार्यक्रमों एवं अभियानों को सफल बनाने के लिए कार्यकर्ताओं से पूरी निष्ठा के साथ जुटने का आह्वान किया। उन्होंने बूथ स्तर तक संगठन को और अधिक सक्रिय करने तथा पार्टी की योजनाओं एवं कार्यक्रमों को जन-जन तक पहुंचाने पर जोर दिया।

बैठक में आगामी शिक्षक एवं स्नातक एमएलसी चुनाव की तैयारियों को लेकर भी चर्चा हुई। इसके अलावा वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव के मद्देनजर संगठन को मजबूत करने पर विचार-विमर्श किया गया।

जिलाध्यक्ष नंदलाल गुप्ता ने जिला प्रभारी का स्वागत करते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन में जिले में संगठन को नई गति मिलेगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं से पूरी ऊर्जा और

एमेजॉन मुंबई में अपने डेटा सेंटर के आसपास रहने वाले समुदायों के जीवन में बदलाव ला रहा है

मुंबई, मुंबई में एमेजॉन के निवेश का दायरा डेटा सेंटर इन्फ्रास्ट्रक्चर से काफी बड़ा है। यहाँ के समुदायों के लिए हम अनेकों दीर्घकालिक पहलों में निवेश कर रहे हैं, जिनमें स्टेम शिक्षा, कार्यबल का विकास, रिन्युएबल एनर्जी और सोशल इंपैक्ट प्रोग्राम शामिल हैं। स्टेम शिक्षाःएमेजॉन मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन में 55 थिंक बिग स्पेस के माध्यम से हर साल 12,000 से अधिक पब्लिक स्कूल स्टूडेंट्स को एआई, क्लाउड और स्टेम की प्रायोगिक शिक्षा देता है। 2021 से अब तक मुंबई के 450 से अधिक पब्लिक स्कूलों के लगभग 3 लाख स्टूडेंट्स और 1,000 से अधिक टीचर्स को एआई और कंप्यूटर साइंस की शिक्षा मिल चुकी है।

युवाओं के लिए स्किलिंगःएमेजॉन ने 230 से अधिक युवाओं को डेटा सेंटर और आईटी/आईटीईएस सेक्टर में रोजगार के लिए अपस्किल किया है, जिनमें 70% से अधिक को नौकरी मिल चुकी है। मई 2026 में एफसीआरआईटी, वाशी में 50 स्टूडेंट्स के लिए डेटा सेंटर स्किलिंग प्रोग्राम भी शुरू किया गया।

सोलर एनर्जीःपवई में एमेजॉन के कम्युनिटी सोलर प्रोजेक्ट के तहत 50 सोलर स्ट्रीटलाइट्स और 17 म्युनिसिपल स्कूलों में 75 किलोवॉट के सोलर पैनल लगाए गए हैं, जिससे 5,000 से अधिक स्टूडेंट्स, टीचर्स और कम्युनिटी मेंबर्स को लाभ मिलता है। जल संरक्षण और पर्यावरणःएमेजॉन ने वैतरणा नदी बेसिन में ग्राउंडवॉटर रिचार्ज और फार्मलैंड रेज्युविनेशन प्रोजेक्ट शुरू किया है, जिससे प्रोजेक्ट पूरा होने पर हर साल 1.3 बिलियन लीटर से अधिक पानी की भरपाई होगी। कंपनी मुंबई में फ्लेमिंगो के प्राकृतिक आवास, मैंग्रोव और मडफ्लैट्स की सुरक्षा के लिए 1.2 मिलियन डॉलर से अधिक निवेश भी करेगी।

अन्नप्राशन से गूंजा पोषण का संदेश, बच्चों के बेहतर विकास को लेकर किया जागरूक

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। सेवा संकल्प अभियान के तहत रॉबर्ट्सगंज नगर के शिवाजी मिनी स्टेडियम में शनिवार को आंगनबाड़ी केंद्रों की ओर से अन्नप्राशन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान छोटे बच्चों को अन्न ग्रहण कराया गया और उनके स्वस्थ एवं बेहतर विकास की कामना की गई। कार्यक्रम में मौजूद अभिभावकों को बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य और स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया।आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने अभिभावकों को बच्चों की निर्धारित उम्र के बाद ऊपरी आहार शुरू कराने, भोजन में पौष्टिक एवं संतुलित खाद्य पदार्थ शामिल करने तथा भोजन से पहले और बाद में साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखने की जानकारी दी। बताया गया कि जीवन के शुरूआती वर्षों में मिलने वाला संतुलित पोषण बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास की मजबूत नींव तैयार करता है।कार्यक्रम के दौरान पोषाहार से तैयार किए जाने वाले विभिन्न व्यंजनों की जानकारी भी दी गई। अभिभावकों को स्थानीय स्तर पर आसानी से उपलब्ध पौष्टिक खाद्य पदार्थों को बच्चों के भोजन में शामिल करने के लिए प्रेरित किया गया, ताकि बच्चों को पर्याप्त पोषण मिल सके और कुपोषण की स्थिति से बचाया जा सके। जिला कार्यक्रम अधिकारी विनीत कुमार सिंह ने बताया कि सेवा संकल्प अभियान के तहत तीन दिवसीय उत्सव एवं संवाद कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।

जनपद में अत्यधिक बारिश के दृष्टिगत डीएम ने किया तीनों तहसीलों का भ्रमण, क्षति एवं राहत-बचाव कार्यों का लिया जायजा

बलरामपुर। जनपद में लगातार हो रही अत्यधिक बारिश एवं तेज हवाओं के दृष्टिगत जिलाधिकारी डॉ. विपिन कुमार जैन एवं पुलिस अधीक्षक श्री मार्तंड प्रकाश सिंह ने जनपद की तीनों तहसीलों बलरामपुर, तुलसीपुर एवं उतरौला का भ्रमण कर बारिश से हुई क्षति, प्रभावित क्षेत्रों की स्थिति तथा राहत एवं बचाव कार्यों का स्थलीय जायजा लिया। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को पूरी सतर्कता के साथ राहत एवं बचाव कार्य संचालित करने तथा प्रभावित क्षेत्रों में आवश्यक सेवाओं को शीघ्र बहाल करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने तहसील बलरामपुर के नगर क्षेत्र का भ्रमण कर अत्यधिक बारिश एवं तेज हवाओं के कारण हुई क्षति का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न स्थानों पर पेड़ गिरने से बाधित विद्युत आपूर्ति, सड़कों पर आवागमन एवं जलभराव की स्थिति का निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को बारिश के कारण उत्पन्न समस्याओं का त्वरित निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

इसी क्रम में जिलाधिकारी ने तहसील तुलसीपुर के विभिन्न क्षेत्रों का भ्रमण कर भारी बारिश एवं तेज हवाओं के कारण हुई क्षति तथा राहत एवं बचाव कार्यों का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को प्रभावित क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति एवं आवागमन सुचारू करने तथा बारिश से हुई क्षति का आकलन करते हुए आवश्यक राहत कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने तहसील उतरौला के नगर क्षेत्र का भी भ्रमण कर अत्यधिक बारिश के कारण उत्पन्न स्थिति एवं हुई क्षति का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने पिपरा घाट पहुंचकर राप्ती नदी के जलस्तर का निरीक्षण किया तथा संबंधित अधिकारियों को नदी के जलस्तर की निरंतर निगरानी रखने एवं तटवर्ती क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। शनिवार, 26 सितम्बर को प्रातः 10 बजे राप्ती नदी का जलस्तर 103.00 मीटर दर्ज किया गया, जो खतरे के निशान 104.620 मीटर से 1.620 मीटर नीचे है। नदी का चेतावनी स्तर 103.620 मीटर है, जिससे वर्तमान जलस्तर 0.620 मीटर नीचे है। जिलाधिकारी ने नदी के जलस्तर में होने वाले उतार-चढ़ाव की निरंतर निगरानी रखने तथा तटवर्ती एवं संवेदनशील क्षेत्रों में सभी आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। भारी बारिश एवं तेज हवाओं के कारण जनपद में विभिन्न स्थानों पर पेड़ गिरने से बाधित हुई विद्युत आपूर्ति के दृष्टिगत जिलाधिकारी ने विद्युत विभाग द्वारा संचालित विद्युत आपूर्ति बहाली कार्यों का जायजा लिया। उन्होंने विद्युत विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी प्रभावित क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति शीघ्र सुचारू करने के लिए पर्याप्त टीमें लगाकर युद्धस्तर पर कार्य किया जाए। विद्युत विभाग की विभिन्न टीमों द्वारा बाधित विद्युत आपूर्ति बहाल करने के लिए लगातार कार्य किया जा रहा है। उन्होंने मरम्मत कार्य के दौरान सभी आवश्यक सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने विभिन्न मार्गों पर पेड़ गिरने की स्थिति का भी जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि सड़कों पर गिरे पेड़ों एवं अन्य अवरोधों को तत्काल हटाया जाए, जिससे आवागमन बाधित न हो। उन्होंने प्रमुख मार्गों के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों के संपर्क मार्गों पर भी विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने तीनों तहसीलों में बारिश के कारण हुई क्षति का आकलन करने तथा प्रभावित व्यक्तियों को नियमानुसार आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राहत एवं बचाव कार्यों में किसी प्रकार की शिथिलता न बरती जाए तथा सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय से कार्य करें। जिलाधिकारी के निर्देशन में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व, समस्त उपजिलाधिकारियों एवं पुलिस अधिकारियों द्वारा लगातार क्षेत्रीय भ्रमण कर बारिश से उत्पन्न स्थिति की निगरानी की जा रही है। राजस्व, पुलिस, विद्युत एवं अन्य संबंधित विभागों द्वारा आपसी समन्वय से राहत एवं बचाव कार्य संचालित किए जा रहे हैं। जिलाधिकारी ने जनपदवासियों से अपील की कि भारी बारिश एवं खराब मौसम के दौरान अनावश्यक रूप से घरों से बाहर न निकलें। जलभराव वाले क्षेत्रों, नदी-नालों, क्षतिग्रस्त विद्युत तारों एवं विद्युत पोलों से सुरक्षित दूरी बनाए रखें। तेज हवाओं के दौरान पेड़ों के नीचे खड़े होने से बचें तथा किसी भी आपात स्थिति की सूचना तत्काल स्थानीय प्रशासन को दें।